राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार,21अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -205 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल का केंद्र पर निशाना, कहा- 70 साल में पहली बार भारत युवाओं को नहीं दे सकता रोजगार

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने देश में असंगठित अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने का काम किया है, इसलिए आने वाले समय में लोगों को बड़ी संख्या में बेरोजगारी का सामना करना पड़ेगा। गांधी ने राज्य के 22 जिला मुख्यालयों में बनाए जा रहे कांग्रेस कार्यालय 'राजीव भवन% के शिलान्यास कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से संबोधित किया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर हुए इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा, ''हिंदुस्तान में दो तरह की अर्थव्यवस्था है। एक संगठित अर्थव्यवस्था जिसमें बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हैं। दूसरी असंगठित अर्थव्यवस्था जिसमें किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार, छोटे-मझोले उद्योग और लाखों, करोड़ों गरीब लोग हैं। जहां भी कांग्रेस की सरकार होती है हम इन दोनों अर्थव्यवस्थाओं में संतुलन बनाने का काम करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इसमें संतुलन की इसलिए जरूरत है क्योंकि यह हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था के 'शॉक आब्जर्वर% का काम करता है। कभी भी मंदी आ जाए या किसी भी प्रकार से परेशानी आ जाए तब असंगठित अर्थव्यवस्था उसे संभाल लेती है। लेकिन पिछले छह वर्षों के दौरान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने इस असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण किया है क्योंकि इस असंगठित अर्थव्यवस्था में पैसा है और नरेंद्र मोदी उस पैसे को बड़े उद्योगों के हवाले करना चाहते हैं। गांधी ने कहा, ''असंगठित अर्थव्यवस्था पर सबसे पहला आक्रमण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नोटबंदी करके किया गया। लोगों से बैंक में पैसा जमा कराया गया और उस पैसे से उन्होंने अपने 10–15 मित्रों का कर्ज माफ करने का काम किया। उसके बाद गलत जीएसटी लाया गया। यह भी असंगठित अर्थव्यवस्था को नष्ट करने का तरीका है। इसके बाद कोरोना वायरस संक्रमण का दौर आया तब बिना कोई नोटिस के नरेंद्र मोदी जी ने पूरा देश बंद कर दिया। इसके पीछे सोच हमारी असंगठित अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना था। सरकार से कहा था कि छोटे दुकानदारों और छोटे उद्योगों को पैसा दीजिए। यदि इन्हें पैसा नहीं दिया गया तब हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था नहीं बचेगी। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इन्हें पैसा नहीं दिया और लाखों करोड़ों रुपये वही 15–20 लोगों को दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि देश में 90 फीसदी रोजगार असंगठित अर्थव्यवस्था से आते हैं। इस सिस्टम को नरेंद्र मोदी ने खत्म कर दिया है। जब विश्व की अर्थव्यवस्था गिरेगी तब एक के बाद एक कंपनियां गिरेंगी तथा छोटे-मझोले उद्योग और किसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे। यह देश युवाओं को रोजगार नहीं दे पाएगा। यह देश में पहली बार होगा राहुल गांधी ने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि संगठित अर्थव्यवस्था पर हमें आक्रमण करना है। मैं कह रहा हूं कि हिंदुस्तान को संगठित अर्थव्यवस्था और असंगठित अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाना पड़ेगा अगर यह संतुलन बिगड़ गया तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होने वाला है। नरेंद्र मोदी जी ने इस संतुलन को तोड़ दिया है, हमारा काम इस संतुलन को फिर से बनाने का है। एक तरफ हमें भोजन का अधिकार, मनरेगा और किसानों को पैसे देने की योजना शामिल करना है, दूसरी तरफ विकास करना है। यह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि जहां भी भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग एक हिंदुस्तानी को दूसरे हिंदुस्तानी से लड़ाते हैं, लोग नफरत फैलाते हैं, वहां कांग्रेस पार्टी के सिपाही को खड़ा होकर लोगों को जोड़ने का काम करना है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको बधाई देना चाहता हूं कि आप कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के लिए लड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सरकार और सब मिलकर इस संतुलन को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं, गरीबों की कमजोर लोगों की रक्षा कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि जिलों में बनने वाला भवन केवल कांग्रेस पार्टी का भवन नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की जनता का भवन हो।

संक्षिप्त समाचार

जैश-ए-मुहम्मद के 3 आतंकी भारत में घुसे, बड़े हमले की फिराक में...निशाने पर दिल्ली और वीवीआईपी

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के तीन आतंकी पाकिस्तान के रास्ते भारत में दाखिल हुए हैं। खूफिया एजेंसियों के मुताबिक आतंकी दिल्ली में बड़ा आतंकी हमला कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आतंकियों के निशाने पर दिल्ली और कई लोग हैं। आतंकी दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों और महत्वपूर्ण जगहों को भी निशाना बनाने की फिराक में हैं। बताया जा रहा तीनों आतंकी जैश के मुखिया मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर के करीबी हैं। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जैश-ए-मुहम्मद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के इशारे पर भारत में आतंकी हमला करने की योजना बना रहा है। बताया जा रहा है कि तीनों आतंकी जम्मू कश्मीर के सियालकोट सेक्टर के रास्ते से भारत में घुसे हैं। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला है कि त्योहारों के दिनों में आतंकी बड़ा हमला करने की फिराक में है। सुरक्षा एजेंसियों के अलर्ट के बाद दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हालांकि दिल्ली पुलिस के आलाधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

दिल्ली के होटलों और पब में अब फिर बिकेगी शराब, केजरीवाल सरकार ने दी हरी झंडी

नेशनल डेस्क। शराब के शौकीनों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने होटल और क्लब में शराब परोसने की इजाजत दे दी है। इस कदम से कोरोना वायरस महामारी तथा कई दिन तक लॉकडाउन से प्रभावित दिल्ली की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद मिल सकती है। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आज शराब की बिक्री संबंधी आदेश जारी करते हुए आबकारी विभाग को गाइडलाइन बनाने का निर्देश भी दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली में शराब बिक्री से पहले आबकारी विभाग सोशल डिस्टेंसिंग के नियम जारी करेगा, इसके बाद ही लाइसेंसधारी विक्रेताओं को शराब बेचने की अनुमति दी जाएगी। डिप्टी सीएम ने बताया कि गाइडलाइंस के तहत दिल्ली में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए रेस्टोरेंट्स संचालन की अनुमति दी गई है। सूत्रों के अनुसार डीडीएमए की एक बैठक में यह फैसला किया गया जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कोरोना वायरस की स्थिति अब काफी बेहतर है और अब अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना होगा। हालांकि उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिम खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। हालांकि उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिम खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। हालांकि उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई बैठक में हालांकि उप राज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिम खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। उप राज्यपाल ने कहा कि आने वाले दिनों में जिम खोलने की इजाजत दी जा सकती है। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर मार्च महीने में होटलों, साप्ताहिक बाजारों तथा सभी जिम को बंद करने की घोषणा की गयी थी।

'पीएम केयर्स को किसी भी तरह की छानबीन से बचा रही है सरकार: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार 'पीएम केयर्स कोष को किसी भी तरह की छानबीन से बचाना चाहती है। पूर्व वित्त मंत्री ने यह कोष बनाए जाने को लेकर भी कई सवाल खड़े किए। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया, ''यह पूरी तरह स्पष्ट है कि भाजपा सरकार पीएम-केयर्स कोष को किसी भी तरह की छानबीन से बचाने का जानबूझकर प्रयास कर रही है। चिदंबरम ने बुधवार को कहा था कि 'पीएम केयर्स कोष से जुड़ा उच्चतम न्यायालय का फैसला इसके वैधानिक पहलू को लेकर था और शीर्ष अदालत को इस कोष से जुड़ी पारदर्शिता एवं प्रबंधन जैसे पहलुओं पर निर्णय देने का अवसर नहीं मिला। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को कोविड-19 से लड़ने के लिए पीएम केयर्स फंड में मिली दान की राशि को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष में स्थानांतरित करने का निर्देश देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की तीन सदस्यीय पीठ ने एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनाये गये अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष में स्वेच्छा से योगदान किया जा सकता है क्योंकि आपदा प्रबंधन कानून के तहत ऐसा क्योंकि आपदा प्रबंधन कानून के तहत ऐसा कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है गैर सरकारी संगठन सेन्टर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशंस ने इस जनहित याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया था।

फेसबुक विवाद: थरूर के खिलाफ राज्यवर्धन सिंह राठौर ने लोकसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बाद अब पार्टी के ही एक अन्य सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौर ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा और आपत्ति जताई कि संसदीय समिति के सदस्यों से चर्चा किए बिना उन्होंने फेसबुक के अधिकारियों को इसकी बैठक में बुलाए जाने की अपनी मंशा सार्वजनिक की। थरूर सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति के प्रमुख हैं। फेसबुक को लेकर जारी ताजा विवाद के मद्देनजर उन्होंने रविवार को कहा था कि सूचना प्रौद्योगिकी मामले की स्थायी समित इस सोशल मीडिया कंपनी से इस विषय पर जवाब मांगेगी। राठौर ने कहा, ''किसे बुलाया जाना है और बैठक की विषय-वस्तु क्या होगी, इस बारे में बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकसभा की प्रक्रियाओं का उल्लंघन है। सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष का मीडिया में पहले बोलने की तत्परता समिति के सदस्यों के अलावा समिति की कार्यप्रणाली को भी कमजोर करती है।%% राठौर भी इस समिति के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भी लिखा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राठौर का कहना है कि समिति के सदस्यों के लिए यह मुद्दा नहीं है कि समिति किसे बुलाती है। देश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए समिति चाहे जिसे बुलाए लेकिन इससे पहले इस बारे में समिति में चर्चा होनी चाहिए। गौरतलब है कि फेसबुक से जुड़ा पूरा विवाद अमेरिकी अखबार 'वाल स्ट्रीट जर्नल% की ओर से प्रकाशित खबर के बाद आरंभ हुआ। इस खबर में फेसबुक के अनाम सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि फेसबुक के वरिष्ठ भारतीय नीति अधिकारी ने कथित तौर पर सांप्रदायिक आरोपों वाली पोस्ट डालने के मामले में तेलंगाना के एक भाजपा विधायक पर स्थायी पाबंदी को रोकने संबंधी आंतरिक पत्र में हस्तक्षेप किया था। इसके बाद थरूर ने फेसबुक से जुड़े विवाद को लेकर कहा था कि सूचना प्रौद्योगिकी मामले की स्थायी समिति इस सोशल मीडिया कंपनी से इस विषय पर जवाब मांगेगी।

कुपवाडा मुठभेड़ में मारा गया एक आतंकवादी पाकिस्तानी था: पुलिस

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुपवाडा जिले में मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर के साथ मारे गए एक अन्य आतंकवादी की पहचान पाकिस्तान के आतंकवादी के तौर पर हुई है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी आतंकवादी दानिश बुधवार को मुठभेड़ में मारा गया था। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि दोनों आतंकवादियों का मुठभेड़ में मारा जाने सुरक्षा बलों के लिए बड़ी कामयाबी है। कुमार ने बुधवार को कहा था कि मारे गए आतंकवादियों में से एक आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर नसीरुद्दीन लोन था, लोन इस साल की शुरुआत में सीआरपीएफ के छह जवानों की हत्या में शामिल था। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि लोन के कब्जे से एक एके -47 रायफल बरामद हुई है जो चार मई को हंदवाडा के वनगाम में सीआरपीएफ के एक जवान पर हमला करके छीनी गई थी। उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि वह सीआरपीएफ के तीन जवानों की हत्या में शामिल था।

केजरीवाल और विजेंद्र गुप्ता ने चुनाव खर्च पर दी गलत जानकारी, दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर

नेशनल डेस्क। दिल्ली हाईकोर्ट में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता के दिल्ली विधानसभा के लिए निर्वाचन को चुनौती देते हुए दो याचिकाएं दायर की गई हैं। केजरीवाल और गुप्ता के निर्वाचन को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि उन्होंने अपने चुनाव खर्च के बारे में कथित तौर पर गलत जानकारी दी। ये याचिकाएं न्यायमूर्ति सी हरिशंकर के समक्ष सूचीबद्ध की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये सुनवाई के लिए दो बार मामले को लिए जाने के बावजूद याचिकाकर्ता बहस के लिए उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद गुरुवार को याचिकाओं को 25 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया। याचिकाकर्ता रमेश खत्री ने अपनी याचिका में दोनों नेताओं पर अगले छह साल तक इस आधार पर चुनाव लड़ने पर रोक लगाने का अनुरोध किया कि उन्होंने अपने चुनाव खर्च के बारे में कथित तौर पर गलत जानकारी दी। केजरीवाल के खिलाफ दायर याचिका में याचिकाकर्त्ता ने कहा कि उन्होंने इस साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रमुख के खिलाफ चुनाव लड़ा था। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रमुख के खिलाफ चुनाव लड़ा था। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रमुख के खिलाफ चुनाव लड़ा था। गुप्ता के खिलाफ खत्री ने रोहिणी विधानसभा क्षेत्र के एक मतदाता के रूप में याचिका दाखिल की है। इस सीट पर भाजपा नेता गुप्ता ने जीत दर्ज की थी।

पंजाब और गोवा के बाद अब उत्तराखंड की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी आज केजरीवाल ने किया ऐलान

देहरादून। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की पार्टी उत्तराखंड की सभी 70 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने जा रही हैं। पंजाब और गोवा के बाद उत्तराखंड तीसरा ऐसा राज्य है, जहां पर आप पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। केजरीवाल ने कहा कि हम उत्तराखंड में चुनाव लड़ने के बारे में स्पष्ट नहीं थे, इसलिए डेढ़ महीने पहले हमने वहां एक सर्वेक्षण किया। उन्होंने कहा कि 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि हमें उत्तराखंड में चुनाव लड़ने का फैसला करना चाहिए। आप प्रमुख ने कहा कि हमने उत्तराखंड में सर्वे कराया, उसमें 62 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हमें उत्तराखंड में चुनाव लड़ना चाहिए, तब हमने तय किया कि आम आदमी पार्टी उत्तराखंड में चुनाव लड़ेगी। उत्तराखंड में रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रमुख मुद्दे हैं। उत्तराखंड में भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी समस्याओं जैसे मुख्य मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा जाएगा। उत्तराखंड में भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी समस्याओं जैसे मुख्य मुद्दों को लेकर चुनाव लड़ा जाएगा। बता दें कि आम आदमी पार्टी किसी भी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। वह इसी सप्ताह अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर देगी।

सुशांत केस-सीबीआई जांच शुरू, मुंबई पुलिस से किया संपक...सुसाइड सीन रिक्रिएट करा सकते हैं अधिकारी

नेशनल डेस्क।

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड की जांच को लेकर सीबीआई अब एक्टिव हो गई है। केस की जांच के लिए सीबीआई मुख्यालय में सीबीआई एसआईटी की बैठक हुई। सीबीआई डीआईजी सुवेज हक को सीबीआई और मुंबई पुलिस के बीच नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जांच का शुरुआती हिस्सा पूरा हो चुका है। सीबीआई की ओर से कई लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं, इनमें सुशांत के फाइनेंस से जुड़े स्टेटमेंट भी शामिल हैं। साथ ही सीबीआई ने केस के संबंध में मुंबई पुलिस के साथ औपचारिक संपर्क भी स्थापित किया है। वहीं बताया जा रहा है कि सीबीआई स्ङ्घ्न की मदद के लिए फॉरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों और विश्लेषकों की एक टीम बनाई गई है। सीबीआई सुशांत केस से जुड़ी सभी जानकारियों को इकट्ठा करेगी, जिसमें तमाम कागजात, इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस जैसी चीजें शामिल होंगी। वहीं सीबीआई उन लोगों के नामों की लिस्ट भी तैयार कर रही है जिन पर शक है और

उनसे पूछताछ करनी जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई मुंबई स्थित सुशांत सिह राजपूत के घर भी जा सकते हैं, जहां खुदकुशी के सीन को एक फिर से रिक्रिएट करा जा सकता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया था कि अब सुशांत केस की जांच पूरे तरीके से सीबीआई करेगी।

एयरपोर्ट को प्राइवेट हाथों में सौंपने से विजयन नाराज, पीएम से कहा- केरल के साथ हो रही अनदेखी

नेशनल डेस्क।

केरल के त्रिवेंद्रम अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अडानी समूह को लीज पर देने के केंद्र सरकार सरकार के निर्णय का भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की केरल की इकाई ने स्वागत किया है जबकि राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन इस निर्णय पर नाराजगी दिखे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख इस निर्णय पर फिर से विचार करना का आग्रह किया। दरअसल राज्य की वामपंथी सरकार दरअसल त्रिवेंद्रम हवाई अड्डे को कोचीन और कन्नौर अंतराष्ट्रीय हवाई की मदद के लिए बनाना चाहती थी लेकिन केंद्र सरकार के इस निर्णय के बाद राज्य सरकार की यह योजना असफल हो गयी।

एयरपोर्ट का संचालन और प्रबंधन में निजी कंपनी का आगमन सीएम ने अपने पत्र में लिखा कि तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट का संचालन और प्रबंधन में निजी कंपनी का आगमन नागरिक विमानन मंत्रालय और भारत सरकार की ओर से 2003 में दिए गए आश्वासन के खिलाफ है। सीएम ने लिखा कि राज्य ने कई बार हवाई अड्डे का प्रबंधन विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को सौंपने का अनुरोध किया था जिसमें राज्य सरकार प्रमुख हितधारक है, जिसकी भी अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रखी गई बातों को नजरअंदाज कर भारत सरकार द्वारा लिए गए इस एकतरफा निर्णय के मद्देनजर, इसके कार्यान्वयन में सहयोग की पेशकश करना हमारे लिए मुश्किल होगा। यह निर्णय राज्य के लोगों की इच्छाओं के विरुद्ध है। सत्तारूढ़ वाम पार्टी और विपक्षी कांग्रेस अडानी समूह को तीन हवाई अड्डे पट्टे पर देने के केंद्र के फैसले के खिलाफ खुलकर सामने आए हैं। बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डों को पट्टे पर देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

भूषण ने न्यायालय से कहा: ट्वीट आवेश में नहीं किये, मैंने अपने वास्तविक विचार व्यक्त किए

नई दिल्ली। आपराधिक अवमानना के लिये दोषी ठहराये गये अधिवक्ता एवं कार्यकर्ता प्रशांत भूषण ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि उन्होंने असावधान होकर ये ट्वीट नहीं किये थे और उन ट्वीट के लिये क्षमा याचना करना धूर्तता और अपमानजनक होगा जो उनके वास्तविक विचारों को अभिव्यक्त करता था और करता रहेगा। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को प्रशांत भूषण को न्यायपालिका के प्रति इन अपमानजनक ट्वीट के कारण ही आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराते हुये कहा था कि इन्हें जनहित में न्यायपालिका के कामकाज की निष्पक्ष आलोचना के लिये किया गया नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ को भूषण और उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन और दुष्यंत दवे ने संबोधित किया। भूषण ने कहा कि उनके ट्वीट हमारे लोकतंत्र के इतिहास के इस मुकाम पर उनके सर्वोच्च कर्तव्य वहन करने में एक छोटे से प्रयास के अलावा कुछ नहीं थे। भूषण ने अपने बयान में कहा, मैंने किसी आवेश में असावधान तरीके से ये ट्वीट नहीं किये। मेरे लिये उन ट्वीट के लिये क्षमा याचना करना धूर्तता और अपमानजनक होगा, जो मेरे वास्तविक विचारों को अभिव्यक्त करता था और करता रहेगा। इसलिए मैं विनम्रता के साथ इस बात की संक्षिप्त व्याख्या कर सकता हूं, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने मुकदमे की सुनवाई में कही थी, मैं दया के लिए नहीं कहूंगा, मैं उदारता दिखाने की भी अपील नहीं करूंगा। बयान में आगे कहा गया, मैं, इसलिए, अदालत द्वारा दी जा सकने वाली किसी भी उस सजा को सहर्ष स्वीकार करने के लिये यहां हूं, जो अदालत ने एक अपराध के लिये विधि सम्मत तरीके से निर्धारित की है और मुझे लगता है कि एक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है। भूषण ने पीठ से कहा कि उन्होंने न्यायालय के 14 अगस्त के फैसले का अध्ययन किया और उन्हें पीड़ा है कि उन्हें न्यायालय की अवमानना करने का दोषी ठहराया गया है जिसके गौरव को बनाये रखने के लिये उन्होंने तीन दशकों से भी ज्यादा समय से प्रयास किया -एक दरबारी या वाह-वाह करने वाले की तरह नहीं बल्कि अपनी व्यक्तिगत और पेशेगत कीमत पर एक विनम्र रक्षक की तरह। उन्होंने कहा, मुझे तकलीफ है, इसलिए नहीं कि मुझे दंडित किया जा सकता है बल्कि इसलिए कि मुझे बहुत ही ज्यादा गलत समझा गया। भूषण ने कहा, मैं हतप्रभ हूं कि न्यायालय ने मुझे न्याय के प्रशासन की संस्था पर द्वेषपूर्ण, अभद्र और सुनियोजित हमला करने का दोषी पाया है। मैं निराश हूं कि न्यायालय इस तरह का हमला करने की किसी मंशा के बारे में कोई साक्ष्य दिखाये बगैर ही इस नतीजे पर पहुंचा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक जरूरी जांच

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला न केवल सुखद, बल्कि न्यायपूर्ण भी है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ देर से सही, लेकिन उचित फैसला किया है, इससे न केवल पीड़ित पक्ष, बल्कि सुशांत सिंह राजपूत के समर्थकों का भी मनोबल बढ़ेगा। 14 जून को हुई सुशांत की मौत को पहली नजर में आत्महत्या का मामला माना गया था, लेकिन बाद में जैसे परिस्थिति जन्य तथ्य और विरोधाभास सामने आते गए, उससे यह मामला गंभीर बनता गया। विशेष रूप से सुशांत के पिता द्वारा बिहार में दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट में जिस तरह से आरोप लगाए गए, उससे यह बात लोगों के दिल तक पहुंची कि सुशांत के साथ विगत छह महीने से लगातार नाइंसाफी हो रही थी। यदि कुछ क्षण के लिए यह मान भी लिया जाए कि उन्होंने आत्महत्या की है, तो भी इस संदेह की पर्याप्त गुंजाइश है कि सुशांत को उस ओर दुष्प्रेरित किया गया। सुशांत की मौत से पहले ही उनकी निराशा, अवसाद का सिलसिला शुरू हो चुका था। यह बात भी सामने आ चुकी है कि यह कुशल अभिनेता अपनी सफलता, संपन्नता, ऊर्जा और युवा चुस्ती के बावजूद इतना हतोत्साहित था कि उसे दवाइयों की जरूरत पड़ रही थी। सबसे बड़ी बात कि दवाइयां वही लोग खिला रहे थे, जिन पर आरोप लग रहे हैं। जो लोग उन्हें डॉक्टर के पास ले जा रहे थे, वही लोग सुशांत को उनके परिवार से दूर कर रहे थे। दुखद है कि ये सारे इशारे मुंबई पुलिस को नहीं दिख रहे थे। ऐसे में, सीबीआई जांच को टालना मुश्किल था। बिहार पुलिस की जांच को जिस तरह से प्रभावित किया गया, जिस तरह से बिहार के जांच दल के साथ अपराधियों या कोरोना संदिग्ध जैसा सुलूक किया गया, उससे भी लोगों को लगने लगा कि मुंबई पुलिस पर सोलह आना भरोसा नहीं किया जा सकता। मुंबई पुलिस की छवि पर जो दाग लग रहे थे, उन पर सीबीआई जांच के आदेश के साथ सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। अब मुंबई पुलिस के पास एक ही रास्ता है कि वह सीबीआई की जांच में सहयोग करे और सीबीआई की जांच टीम के साथ कतई वैसा सुलूक न करे, जैसा उसने बिहार पुलिस के साथ किया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेशक बिहार पुलिस का मनोबल बढ़ेगा। उसकी एफआईआर और जांच की दिशा सही साबित हुई है। बिहार पुलिस को अभी तक जो तथ्य हासिल हुए हैं, उन्हें सीबीआई को सौंपने का समय आ गया है। अब सीबीआई को इस मामले की तह में जाकर सुशांत की मौत के मूलभूत कारणों को उजागर करना होगा। बॉलीवुड में हुई इस मौत के अनगिनत दुखद पहलू हैं, जो यह संकेत करते हैं कि सिनेमा दुनिया की नैतिक बुनियाद कितनी जर्जर है। किस तरह से सामंतवाद या मठाधीशी का ढर्रा चल पड़ा है। किस तरह से अनेक अयोग्य और आपराधिक किस्म के लोग भी गुट बनाकर अपने-अपने गलत ढंग से यहां गुजारा कर रहे हैं। सीबीआई जांच अगर शक्तिशाली होते बॉलीवुड की आपराधिक बुराइयों तक पहुंच पाई, तो इससे देश का भी भला होगा। छोटे शहरों और सामान्य परिवारों के प्रतिभावानों के साथ वहां कैसा व्यवहार होता है, यह जानने की जरूरत पूरे देश को है। वह दुखद दास्तां भी सामने आनी चाहिए, जिसे सुशांत अपने साथ लिए गए हैं। सीबीआई को ध्यान रखना होगा कि उस पर अब देश की निगाह है।

आज के ट्वीट

संयोग

अजीब संयोग है देश का सबसे शिक्षित राज्य 'केरल' सबसे ज्यादा ISIS आतंकवादी देता है और 'बिहार' कम शिक्षित राज्य सबसे ज्यादा IAS IPS देता है।

--अर्णव गोस्वामी

श्रीलंका के लिए चीनी कुटिल कर्ज नीति की चुनौती

जी. पार्थसारथी

श्रीलंका में हाल ही में आम चुनाव सम्पन्न हुए हैं, जहां भारतीय मीडिया का ज्यादातर ध्यान इस बात पर था कि चुनाव में जीत किसको मिलेगी, वहीं श्रीलंकाई लोकतंत्र की विलक्षण उपलब्धियों ने चंद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिनकी तारीफ भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त याकूब कुरैशी ने भी की है। कोरोना वैश्विक महामारी जैसे विकट समय के बीच चुनाव करवाने को लेकर श्रीलंका सरकार और चुनाव आयोग के सामने जो मुख्य चुनौतियां थीं, उनमें एक थी 196 चुनाव क्षेत्रों में निर्बाध और शांतिपूर्ण मतदान करवाना, और यह काम वाकई बहुत कठिन था। इसके लिए बहुत बारीकी से योजना बनाई गई और पूर्वाभ्यास किए गए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभाओं में लोगों की उपस्थिति सीमित रखना, माकूल शारीरिक दूरी बनाना, मास्क-दस्ताने पहनना, सेनेटाइज़र का उपयोग करना इत्यादि सावधानियां सख्ती से बरती गईं। डाक के जरिए मतदान करने के लिए भी पर्याप्त प्रबंध किए गए। आखिरकार 196 चुनाव क्षेत्रों में कुल 71 फीसदी मतदान हुआ, जो श्लाघायोग्य आंकड़ा है। तमिल बहुल उत्तरी इलाकों में भी मतदान की संख्या काफी प्रभावी रही है। इससे पहले जिस दक्षता और जुगत से इस द्वीपीय देश ने कोविड-19 महामारी से निपटा है, वह भी काफी प्रभावशाली उपलब्धि है, अभी तक वहां कोरोना से केवल 11 मौतें हुई हैं और कुल 2881 पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। अब इसी तरह की कारगुजारी से उन्होंने बढ़िया चुनाव परिचालन भी कर दिखाया है। राजपक्षे बंधुओं यानी प्रधानमंत्री महेंद राजपक्षे और उनके छोटे भाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के नेतृत्व वाली श्रीलंका पोदुजन पेरामुना पार्टी को संसदीय चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है, कुल 225 सीटों में से उनके हिस्से 145 सीटें आई हैं। विपक्षी यूएनपी (यूनाइटेड नेशनल पार्टी) जिसने 1948 में मिली आजादी के बाद बहुत सालों तक श्रीलंका पर राज किया है, मात्र 1 सीट ही जीत पाई है। इस पराजय के पीछे पूर्व प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे की निस्तेज कारगुजारी रही है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमादासा के पुत्र सजिथ प्रेमदासा ने यूएनपी छोड़कर अपनी अलग पार्टी बना ली थी, जिसे 54 सीटों पर जीत प्राप्त हुई है और वे सदन में नेता प्रतिपक्ष होंगे। पिछले कुछ सालों में भारत ने श्रीलंका के अंदरूनी घटनाक्रम से खुद को अलहदा रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजपक्षे बंधुओं और एसएसएफपी के साथ रिश्ता मधुर बनाए रखा है। विगत की गलतियों से सीख लेते हुए, जब भारत को किसी एक राजनीतिक दल विशेष के प्रति ज्यादा झुकाव वाला कहा जाता था, पिछले कुछ वक्त से भारत के उच्चायुक्तों ने श्रीलंका के राजनीतिक परिदृश्यों में अनेकानेक नेताओं और दलों से बराबर का राब्ता बनाए रखा है। श्रीलंका के जातीय संघर्ष में हुए रक्तपात में कुल मिलाकर लगभग 1 लाख आम नागरिकों की जानें गई थीं, जिसमें तमिल और सिंहाला दोनों शामिल हैं। एलटीटीई के 27,000 कारकुनों के अलावा भारतीय शांति सेना के 1500 जवानों ने भी अपने प्राणों की आहुति दी है, जब उन्हें एलटीटीई के खिलाफ लड़ाई करने पर बाध्य होना पड़ा था। वर्ष 1993 में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी एलटीटीई के आत्मघाती हमले में मारे गए थे। वर्ष 2009 में एलटीटीई मुखिया प्रभाकरण को श्रीलंकाई सेना ने मार गिराया था। जहां भारत ने जातीय संघर्ष समाप्त होने के बाद श्रीलंका के साथ सामान्य, मैत्रीपूर्ण रिश्ते बनाना चुना था वहीं

अमेरिका और यूके के नेतृत्व में कई पश्चिमी देशों ने लड़ाई के दौरान बड़े पैमाने पर हुए मानवाधिकार हनन को लेकर राष्ट्रपति राजपक्षे और मातहतों एवं सैनिक कमांडरों पर कथित युद्ध अपराधों को लेकर मुकदमा चलाने और आर्थिक प्रतिबंध लगाने का काम किया था। इससे क्षुब्ध होकर श्रीलंका, जो अन्यथा पश्चिमी जगत का समर्थक रहा था, को पश्चिमी मुल्कों से मुंह मोड़ते हुए महत्वाकांक्षी और विस्तारवादी चीन की ओर सरकना पड़ गया था। चीन ने भी मौका ताड़कर श्रीलंका के विकास हेतु तथाकथित सहायता के लिए 'थैली का मुंह खोलने' का नाटक किया और उसे अपने कर्ज के मकड़जाल में फांस लिया। अब हालात यह हैं कि एशिया और अफ्रीका महाद्वीप में पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इथियोपिया, तंजानिया और कीनिया जैसे कुछ देश चीनी कर्ज-जाल में फंसे हुए हैं। श्रीलंका के सामने यह विकट स्थिति मुंह बाये खड़ी है, जिसके पीछे मुख्य कारण है क्रूर गृह युद्ध उपरांत पश्चिमी जगत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से उत्पन्न स्थिति। इस मौके का फायदा उठाते हुए चीन अपनी कुटिल कर्ज-कूटनीति के साथ श्रीलंका में आ धमका। दिखावे के लिए उसने श्रीलंका के बुनियादी ढांचे के विकास हेतु उदार दरों पर कर्ज देने की पेशकश की थी। चीन ने इस तथाकथित 'सहायता' की मद में 7 खरब डॉलर का उधार दिया। इसके तहत दक्षिण श्रीलंका में हम्बनतोता बंदरगाह विकास परियोजना एक थी। कोलंबो बंदरगाह का विकास करने हेतु भी चीन ने धन मुहैया करवाया है, इस बंदरगाह की मुख्य कमाई भारत को किए जाने वाले वस्तु निर्यात से होती है। लेकिन हैरानी यह है कि श्रीलंका इस काम के लिए भारतीय और जापानी सहायता की पेशकश को लेकर दुविधा में रहा था। दुर्भाग्य से श्रीलंका के ऐसे रवैये से भारत में यह धारणा बनी थी कि चीन के दबाव के चलते श्रीलंका भारत और जापान से भागीदारी करने में कतरा रहा है। ऐसे में भारत की भौहें तनना स्वाभाविक था। श्रीलंका में इस बार के आम चुनाव में तमिल बहुल पूर्वी और पश्चिमी प्रांतों में भारी मतदान हुआ है। श्रीलंका के लिए उत्तम होगा कि इन राज्यों से जुड़ी लोगों की समस्याओं का हल अपने स्तर पर निकाले। भारत सरकार का मुख्य ध्यान भारतीय मूल के तमिलों के हितों पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी पहल करते हुए दोनों राजपक्षे बंधुओं से राब्ता कायम किया है। भारत सरकार को सुझाव है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों से मंत्रणा करके प्रेरित करे कि वे श्रीलंका को द्विपक्षीय मदद देने के लिए न केवल अपने दरवाज़े खोलें बल्कि बड़े वित्तीय संस्थान जैसे कि विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से उधार पाने में भी मदद करें। श्रीलंका के साथ रिश्तों को 'क्वाड' (अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया) नामक गुट की बृहद हिंद महासागर नीति का हिस्सा बनाया जाए। श्रीलंका के बहुसंख्यक सिंहाला आबादी का भारत के प्रति लगाव रखने के पीछे सबसे बड़ा कारक है बौद्ध धार्मिक आस्था, जो महात्मा बुद्ध की धरती होने के नाते भारत से जुड़ी है। श्रीलंका में बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार सम्राट अशोक के समय हुआ था। खुफिया सूत्र बताते हैं कि भारत ने पिछले साल श्रीलंका सरकार को आईएसआईएस द्वारा बौद्ध पूजास्थलों और लोगों पर संभावित हमले के बारे में पहले ही चेता दिया था। पाकिस्तान को छोड़कर भारत अपने शेष पड़ोसी मुल्कों के साथ जो भी सागरीय सीमा विवाद थे, उनको शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा चुका है। जबकि चीन को अपने इलाका संबंधी दावों को सही ठहराने के लिए बल प्रयोग और जोर-जबरदस्ती करने से कभी गुरेज नहीं रहा है। समुद्री सीमा को लेकर चीनी दावों की अलग रोचक कहानी है। वर्ष 1405-33 के बीच हुए चीनी नौवहनीय अभियानों के दौरान उसकी नौसेना के दुष्ट मुखिया एडमिरल झेंग ही ने तत्कालीन श्रीलंकाई नरेश वीरा अलाकेश्वरा और भगवान बुद्ध का पवित्र दांत अगवा कर चीन भिजवा दिया था। यह पवित्र अवशेष श्रीलंका को लगभग 5 सदी बाद लौटाया गया था।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर में विश्वास क्यों आवश्यक है? इसलिए आवश्यक है कि उसके सहारे हम जीवन का स्वरूप, लक्ष्य एवं उपयोग समझने में समर्थ होते हैं। ईश्वरीय विधान को अमान्य ठहरा दिया जाए तो फिर मत्स्य न्याय का ही बोलबाला रहेगा। आंतरिक नियंत्रण के अभाव में बाह्य नियंत्रण मनुष्य जैसे चतुर प्राणी के लिए अधिक कारगर सिद्ध नहीं हो सकता। नियंत्रण के अभाव में सब कुछ अनिश्चित और अविस्त बन जाएगा। ऐसी दशा में हमें आदिमकाल की वन्य स्थिति में वापस लौटना पड़ेगा। शरीर निर्वाह करते रहने के लिए पेट प्रजनन एवं सुरक्षा जैसे पशु प्रयत्नों तक सीमित रहना पड़ेगा। ईश्वर विश्वास ने आत्म नियंत्रण का पथ प्रशस्त किया है, उसी आधार पर मानवी सभ्यता का, आचार संहिता का, स्नेह-सहयोग एवं विकास-परिष्कार का पथ प्रशस्त किया है। मान्यता क्षेत्र से ईश्वरीय सत्ता हटा दी जाए तो फिर संयम, उदारता जैसी मानवी विशेषताओं को बनाए रखने का कोई दार्शनिक आधार शेष न रह जाएगा। तब चिंतन क्षेत्र में जो उच्छृंखलता प्रवेश करेगी, उसके दुष्परिणाम वैसे ही होंगे जैसे कथा गाथाओं में असुरों के नृशंस क्रियाकलाप का वर्णन पढ़ने-सुनने को मिलता है। ईश्वर अंधविश्वास नहीं एक तथ्य है। वि की व्यवस्था सुनियंत्रित है। सूर्य, चंद्र, नक्षत्र आदि सभी का उदय-अस्त क्रम अपने ढर्रे पर ठीक तरह चल रहा है, प्रत्येक प्राणी अपने ही जैसी संतान उत्पन्न करता है और हर बीज अपनी ही जाति के पौधे उत्पन्न करता है। अणु-परमाणुओं से लेकर समुद-पर्वतों तक की उत्पादन, वृद्धि एवं मरण का क्रियाकलाप अपने ढंग से ठीक प्रकार चल रहा है। शरीर और मस्तिष्क की संरचना और कार्यशैली देखकर आश्चर्यचकित रह जाना पड़ता है। इतनी सुव्यवस्थित कार्यपद्धति बिना किसी चेतना शक्ति के अनायास ही नहीं चल सकती। उस नियंता का अस्तित्व जड़-चेतन के दोनों क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और परोक्ष की दोनों कसौटियों पर पूर्णतया खरा सिद्ध होता है। समय चला गया जब अधकचरे विज्ञान के नाम पर संसार क्रम को स्वसंचालित और प्राणी को चलता-फिरता पौधा मात्र ठहराया गया था। अब पदार्थ विज्ञान और चेतना विज्ञान में इतनी प्रौढ़ता आ गई है कि नियामक चेतना शक्ति के अस्तित्व को बिना आनाकानी स्वीकार कर सकें।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

शिक्षण तंत्र की जवाबदेही तय कीजिए

उमेश चतुर्वेदी

देश में इन दिनों नई शिक्षा नीति की धूम है। 34 साल बाद आई नई शिक्षा नीति का गुण-दोष के आधार पर स्वागत होना ही चाहिए। इस बीच राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन की भी एक रिपोर्ट आई है। 'भारत में शिक्षा पर सामाजिक-पारिवारिक उपभोग' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के आंकड़े सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों के भरोसे को जाहिर करते हैं। यह जताती है कि जिस शिक्षा व्यवस्था पर भारत सरकार देश की जीडीपी का करीब चार फीसद खर्च कर रही है, जिसके लिए केंद्रीय बजट में 99 हजार 300 करोड़ के खर्च का प्रावधान किया गया है, वह अपने ही नागरिकों को आकर्षित करने में नाकाम साबित हो रही है। आखिर इस नाकामी की वजह क्या है? आंकड़ों के मुताबिक शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण भारत को सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर ज्यादा भरोसा है। भरोसे से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र में कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों की मजबूरी है कि वे चाहकर भी निजी क्षेत्र की शिक्षा अपने बच्चों को नहीं दिला सकते। सर्वेक्षण के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों के प्री प्राथमिक स्तर के 44.2 प्रतिशत छात्र ही सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्तर के 73.7 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक यानी छठवीं से आठवीं कक्षा तक के 76.1 प्रतिशत, सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्तर के 68 प्रतिशत छात्र ही सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। लेकिन उच्च शिक्षा के स्तर पर यह रुझान ग्रामीण क्षेत्रों में भी कम है। ग्रामीण क्षेत्रों के आधे से भी कम यानी 49.7 फीसद छात्र ही सरकारी कॉलेजों में शिक्षा हासिल कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार है हायर सेकेंडरी स्तर के करीब चौथाई ग्रामीण बच्चे निजी विद्यालयों में पढ़कर अपना बेहतर भविष्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि देहाती इलाके के आधे से ज्यादा विद्यार्थियों को अपने बेहतर भविष्य के लिए सरकारी की तुलना में निजी क्षेत्रों के कॉलेजों पर ज्यादा भरोसा है। जुलाई, 2017 से जून, 2018 तक के आंकड़ों के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट से एक बात साफ है कि देश में निजी स्कूलों और संस्थानों ने अपना दबदबा बना लिया है। दिलचस्प यह है कि निजी क्षेत्रों के कुछ प्रतिष्ठित और नामी स्कूलों-कॉलेजों को छोड़ दें तो उनमें योग्य प्राध्यापक या अध्यापक नहीं है। सरकारी क्षेत्र के अध्यापक कहीं ज्यादा योग्य और प्रशिक्षित हैं। आखिर क्या वजह है कि भारी-भरकम बजट, अध्यापकों को बेहतर वेतन के बावजूद सरकारी शिक्षण व्यवस्था लगातार पिछड़ रही है? दरअसल सरकारी क्षेत्र में एक बार नौकरी मिल जाने के बाद नागरिक मानने लगता है कि उसका अब एक मात्र काम अवकाश प्राप्ति की तिथि तक हाजिरी लगाना और वेतन प्राप्त करना रह गया है। जबकि निजी क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहता है। इस दबाव में नौकरी पर भी तलवार लटकी रहती है। इस स्थिति में वहां लगातार काम करना पड़ता है। सरकारी क्षेत्र में सरकारें कुछ जरूरी प्रशासनिक पदों को छोड़ दें तो दूसरे पदों पर नियमित नौकरियों की बजाय आउट सोर्सिंग पर भरोसा करने लगीं है। कुछ साल पहले तक पाठशालाओं में अध्यापकों की नियुक्ति में भी इसी सोच ने हीलाहवाली की और फिर शिक्षा मित्रों के नाम पर अस्थायी और कम वेतन में नियुक्तियों का दरवाजा खोल दिया गया। शिक्षा मित्र व्यवस्था ने जितना फायदा नहीं पहुंचाया, उससे ज्यादा इससे सरकारी तंत्र के शैक्षिक स्तर को नुकसान पहुंचाया है। उदारीकरण में निजी क्षेत्र ने सपने बेचने का सफल कारोबार किया है। फिर नौकरियों में अंग्रेजी ज्ञान के वर्चस्व ने इसे बढ़ावा ही दिया है। यह स्टेटस सिंबल यानी प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बन गया। 2004 में जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार आई तो देश में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए डीम्ड विश्वविद्यालयों की मंजूरी की झड़ी लग गई। 1958 में पहली बार डीम्ड विश्वविद्यालय खुला तब से लेकर 2004 तक देश में कुल 38 डीम्ड विश्वविद्यालय ही देश में थे। लेकिन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने अपने कार्यकाल में इसे 130 तक पहुंचा दिया। यह मूल्यों और नैतिकता का क्षरण ही कहा जाएगा कि आज शासन और प्रशासन में शीर्ष पर जो ताकतें हैं, उनमें से ज्यादातर ने अपनी कम से कम प्राथमिक या सेकेंडरी स्तर की शिक्षा टाट-पट्टी वाले विद्यालयों में पूरी की है, लेकिन कार्य क्षेत्र में प्रभावशाली बनने के बावजूद इन्होंने सामाजिक अवदान के रूप में इन विद्यालयों या शिक्षा को ताकत देने, उनका नैतिक ढांचा सुधारने और उनमें जवाबदेही और जिम्मेदारी बढ़ाने पर जोर नहीं दिया। यही समय रहते सरकारी शिक्षण तंत्र ने खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की संजीदा कोशिश नहीं की तो वह दिन दूर नहीं, जब सरकारी शिक्षण तंत्र के निजीकरण के प्रयास भी शुरू हो जाएंगे। इसलिए बेहतर है कि सरकारी शिक्षण तंत्र अपनी जिम्मेदारी समझे और सरकारें भी उनकी जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाएं।

संकट की इस घड़ी में रेलवे ने उठाया बड़ा कदम, 13 लाख कर्मचारियों को देने जा रहा खास तोहफा

बिजनेस डेस्क। कोरोना संकट के बीच रेलवे अपने कर्मचारियों को एक खास सुविधा देने जा रही है। रेलवे अपने 13 लाख कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना मुहैया कराकर उनके इलाज का दायरा व्यापक करने पर विचार कर रहा है, जिसके लिए रेलवे नेअपने सभी मंडलों और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधकों से इस प्रस्ताव पर उनके सुझाव और प्रतिक्रियाएं मांगी हैं। रेलवे ने एक बयान में कहा कि वह पहले ही अपने कर्मचारियों और उनके आश्रित परिजनों को 'रेलवे कर्मचारी उदारीकृत स्वास्थ्य योजना और 'केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा (सीजीएचएस) के जरिये चिकित्सा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा भारतीय रेलवे अब रेलवे कर्मियों के चिकित्सीय उपचार के दायरे को बढ़ाने का प्रस्ताव कर रहा है। बयान में कहा गया कि इसी के अनुरूप रेल कर्मियों के लिये 'समग्र स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े सभी पहलुओं को परखने के लिये एक समिति गठित की गई है। इसका उद्देश्य चिकित्सा, आकस्मिक परिस्थितियों आदि के दौरान वित्तीय जोखिमों से उन्हें बीमा कवर उपलब्ध कराना है।

कमजोर मांग से चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,012 रुपये की गिरावट के साथ 66,951 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1,012 रुपये अथवा 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66,951 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 10,166 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 1.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 27 डॉलर प्रति औंस रह गई।

गलत सूचना या हेट स्पीच वाली हर पोस्ट हटाई जाएगी चाहे वह ट्रंप की ही क्यों न होः फेसबुक

वाशिंगटन। फेसबुक ने तीन नवंबर को अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले अपने मंच से दुष्प्रचार रोकने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। इन उपायों में विवादास्पद विषय वस्तु को रोकना शामिल है। इस संबंध में फेसबुक की मुख्य परिचालन आधिकारी शेरिल सैंडबर्ग ने कहा है कि गलत सूचना या हेट स्पीच वाली हर पोस्ट को हटाया जाएगा, चाहे वह ट्रंप की ही क्यों न हो। सैंडबर्ग ने मंगलवार को एमएसएनबीसी समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि कंपनी नफरत भरी बातों और झूठी जानकारियों को हटाएगी, भले ही ट्रंप ने वो पोस्ट डाली हों। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रपति हमारे घृणा भाषण संबंधी मानकों का उल्लंघन करते हैं या मतदाताओं को लेकर अथवा कोरोना वायरस पर गलत जानकारी देते हैं तो उन पोस्ट को हटाया जाएगा। फेसबुक ने पिछले सप्ताह ट्रंप की एक पोस्ट हटा ली थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि बच्चे कोविड-19 से लगभग सुरक्षित हैं। इस पोस्ट को 'गलत सूचना फैलाने' के तहत चिह्नित किया गया है। इस समय भारत में फेसबुक की कार्य प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। द वालस्ट्रीट जर्नल में बीते दिनों प्रकाशित एक लेख में कहा गया था कि फेसबुक भारत में सत्ताधारी दल के नेताओं की हेट स्पीच और आपत्तिजनक सामग्री को लेकर कोताही बरतता है।

विश्व अर्थव्यवस्था के अग्रणी स्थानों में बना रहेगा भारत : सिंघानिया

नई दिल्ली।

जेके पेपर के अध्यक्ष भारत हरि सिंघानिया ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते पैदा हुए व्यवधान का दर्द विकसित देशों को लंबे समय तक महसूस होगा, जबकि उम्मीद है कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था के चंद अग्रणी स्थानों में बना रहेगा। सिंघानिया ने 2019-20 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों से कहा कि महामारी ऐसे वक्त में आई, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही विकास दर में कमी का अनुभव कर रही थी। उन्होंने कहा कि लगभग 170 देशों में, लोगों की औसत आय में पिछले साल की तुलना में गिरावट की आशंका है। सिंघानिया ने कहा, 'भारत में पूर्ण लॉकडाउन दुनिया में लागू किए गए सबसे कड़े प्रतिबंधों में एक था, जो लगभग 70 दिनों तक चला। इस दौरान करीब दो-तिहाई आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ गईं।' उन्होंने आगे कहा कि जबकि विकसित देशों में इस महामारी का दर्द लंबे समय तक महसूस किया जाएगा, भारत से उम्मीद है कि वह विश्व अर्थव्यवस्था के चंद अग्रणी स्थानों में बना रहेगा। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्य से, कोविड-19 महामारी ऐसे समय में आई, जब भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही वृद्धि में कमी से जूझ रही थी, जैसा कि पिछले 12 महीनों के दौरान विवेकाधीन खर्च में कमी आने से परिलक्षित हुआ, खासतौर से ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और महंगी एफएमसीजी वस्तुओं में।' विवेकाधीन खर्च में मूलभूत आवश्यताओं को छोड़कर शेष जरूरतों पर होने वाले खर्च को शामिल किया जाता है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर टाला जा सकता है। उन्होंने उपभोक्ता मांग को फिर से बहाल करने के लिए सरकारी प्रोत्साहनों और राहत को महत्वपूर्ण बताया। जेके पेपर के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हर्ष पति सिंघानिया ने कहा कि कोविड-19 के चलते बाधाएं पैदा होने के बावजूद कंपनी तय विस्तार योजनाओं के अनुसार आगे बढ़ रही है, हालांकि इस दौरान बैंकों और वित्तीय संस्थानों का समर्थन महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि जेके पेपर अगले साल तक अपनी उत्पादन क्षमता को 4.5 लाख टन प्रति वर्ष (टीपीए) से बढ़ाकर 8 लाख टीपीए करने की दिशा में काम कर रहा है।

जीमेल सेवा बाधित, मामले की जांच कर रही है गूगल

नयी दिल्ली। गूगल की लोकप्रिय ईमेल सेवा जीमेल में बृहस्पतिवार सुबह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, और इससे दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कुछ उपयोगकर्ता प्रभावित हुए हैं। इस दौरान उपयोगकर्ताओं ने लॉनइन न कर पाने, एचैटमेंट न कर पाने और संदेश पाने में दिक्कतों की शिकायत की है। कंपनी ने कहा है कि वह मामले की जांच कर रही है, लेकिन उसने अभी तक सेवा बाधित होने की वजह नहीं बताई है। इससे पहले जी सूट स्टेटस डैशबोर्ड के अनुसार गूगल ''जीमेल के साथ एक समस्या की रिपोर्ट पर जांच कर रही है।'' यह डैशबोर्ड गूगल की विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी देता है। डैशबोर्ड ने 1408 बजे (अंतरराष्ट्रीय मानक समय) दी गई ताजा जानकारी में कहा ''हमारी टीम अभी भी समस्या की जांच कर रही है।'' डैशबोर्ड के अनुसार, गूगल ड्राइव, गूगल डॉक्स और गूगल मीट जैसी गूगल की अन्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कंपनी ने कहा कि समस्या का समाधान जल्द होने की उम्मीद है और वह इस बारे में शीघ्र सूचना देगी। गूगल ने इस व्यवधान के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है कि इससे कितने उपयोगकर्ता प्रभावित हैं, किन स्थानों के उपयोगकर्ता प्रभावित हैं।

पेट्रोल के दाम में फिर आया उछाल, 5 दिन में 4 बार बढ़ी कीमत

बिजनेस डेस्क। एक दिन स्थिर रहने के बाद पेट्रोल के दामों में फिर उछाल आ गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 10 पैसे की बढ़ोतरी की है। देश की राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां पेट्रोल 81.00 रुपए प्रति लीटर हो गया है। 5 दिनों में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 56 पैसे बढ़ गई है। हालांकि डीजल की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे पहले मंगलवार को पेट्रोल की कीमत में 17 पैसे, सोमवार को 15 पैसे और रविवार को भी पेट्रोल की कीमत में 14 पैसे की बढ़ोतरी हुई थी। अगर आप भी घर बैठे पेट्रोल और डीजल की कीमत जानना चाहते हैं तो आपको सिर्फ एक मैसेज करना होगा। अगर आप भी घर बैठे पेट्रोल और डीजल की कीमत जानना चाहते हैं तो आपको सिर्फ एक मैसेज करना होगा। इंडियन ऑयल के ग्राहक लिखकर 9224992249 नंबर पर जबकि बीपीसीएल उपभोक्ता लिखकर 9223112222 नंबर पर मैसेज भेज सकते हैं।

एसजेवीएन ने गुजरात में 100 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना हासिल की

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एसजेवीएन लि. ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने गुजरात के धोलेरा सौर पार्क में 100 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना हासिल की है। कंपनी ने 2.80 रुपये प्रति यूनिट की दर से नीलामी के जरिये यह परियोजना हासिल की। गुजरात ऊर्जा निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से इस परियोजना का विकास कर रहा है। जीयूवीएनएल ने 700 मेगावाट क्षमता के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं जबकि कुल 1300 मेगावाट के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। केंद्र सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी एसजेवीएन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने 100 मेगावाट क्षमता के लिए बोली लगायी थी और नीलामी के दौरान बनाओ, अपनाओ और चलाओ (बीओओ) आधार पर 2.80 रुपये प्रति यूनिट की दर से 100 मेगावाट की परियोजना हासिल की। धोलेरा सौर पार्क गुजरात के खंभात क्षेत्र की खाड़ी में स्थित धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (डीएसआईआर) में है। यह सड़क, रेल, हवाई अड्डे और बंदरगाह से जुड़ा हुआ है और अहमदाबाद, भावनगर और वडोदरा शहरों के करीब स्थित है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नंदलाल शर्मा ने बताया, 'इस परियोजना के विकास की अनुमानित लागत 450 करोड़ रुपए है। इस परियोजना के चालू होने पर इससे प्रति वर्ष 24.4 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन होगा।' उन्होंने कहा कि जीयूवीएनएल और एसजेवीएनएल के बीच जल्दी ही 25 साल के लिए बिजली खरीद समझौता (पीपीए) होगा। एसजेवीएन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, नेपाल और भूटान में 13 जल विद्युत परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। इसके अतिरिक्त, कंपनी बिहार में 1320 मेगावाट की बक्सर तापीय परियोजना पर भी काम कर रही है। एसजेवीएन नेपाल और अरुणाचल प्रदेश की सरकारों के साथ बातचीत कर रही है, ताकि वहां जल विद्युत क्षमता का पूर्ण उपयोग किया जा सके। शर्मा के अनुसार एसजेवीएन ने 2023 तक 5000 मेगावाट, 2030 तक 12,000 मेगावाट और वर्ष 2040 तक 25000 मेगावाट की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है और कंपनी उस दिशा में आगे बढ़ रही है।

किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज मंजूरः वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंकों ने कोविड-19 संकट के दौरान किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिये किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारकों को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का रियायती कर्ज मंजूर किया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 17 अगस्त तक 1.22 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये गये। इनकी कर्ज सीमा 1,02,065 करोड़ रुपये है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार और कृषि वृद्धि में तेजी लाने में मदद मिलेगी। बयान के अनुसार 1.1 करोड़ किसान क्रेडिट धारकों को 24 जुलाई तक 89,810 करोड़ रुपये कर्ज मंजूर किये गये थे। यानी एक महीने से भी कम समय में 12,255 करोड़ रुपये अधिक कर्ज मंजूर किये गये। कोविड-19 के प्रभाव से कृषि क्षेत्र को राहत देने के लिये कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड के जरिये रियायती कर्ज उपलब्ध कराने को लेकर उपलब्ध कराने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने मई में घोषित 20.97 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत 2 लाख करोड़ रुपये का रियायती कर्ज देने का ऐलान किया था। इससे मछुआरों और डेयरी किसानों समेत 2.5 करोड़ कृषकों को लाभ होने की उम्मीद है।

कमाई में एप्पल ने रचा इतिहास, बनी 150 लाख करोड़ रुपये की कंपनी

बिजनेस डेस्क।

लग्जरी स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल ने एक नया मुकाम हासिल किया है। कंपनी का मार्केट कैप पहली बार 2 ट्रिलियन डॉलर (करीब 150 लाख करोड़ रुपये) पहुंच गया है। इससे पहले कंपनी ने 2018 में 1 ट्रिलियन डॉलर (75 लाख करोड़ रुपये) का मार्केट कैप हासिल किया था। बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार की स्टॉक एक्सचेंज नैसडैक पर एप्पल का शेयर अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। कंपनी यह मुकाम हासिल करने वाली अमेरिका की पहली कंपनी है। बता दें कि एप्पल 12 दिसंबर 1980 को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी और तब से अब तक कंपनी का शेयर 76000 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं, अब बात करें तो मौजूदा समय में मार्किट कैप के लिहाज से एप्पल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। यहीं नहीं कंपनी का मार्केट कैप अन्य देशों की जीडीपी जैसे रूस, ब्राजील, इटली, कनाडा, साउथ कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, मैक्सिको, तुर्की, ताइवान, और नॉर्वे से ज्यादा हो गई है। कंपनी ने दो साल पहले 1 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल किया था। यूएस स्टील ने 1901 में 1 बिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल किया था। गौर करें कि एप्पल 2 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली पहली कंपनी नहीं है। सऊदी अरामको पिछले साल स्टॉक मार्केट में आते ही इस मुकाम पर पहुंच गई थी। एक्सपर्टस का कहना है कि एप्पल के नए 5त्न आईफोन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है, ऐसे में शेयर में तेजी जारी है कोरोना महामारी के बीच एप्पल चीन को झटका देने वाली है। दरअसल, एप्पलअसेंबली पार्टनर पेगाट्रॉन भारत में अपना पहला प्लांट लगाने वाली है। पेगाट्रॉन दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। जून में, सरकार ने दुनिया के शीर्ष स्मार्टफोन निर्माताओं को लुभाने के लिए 6.6 अरब डॉलर की योजना बनाई, जिसमें वित्तीय प्रोत्साहन और उपयोग में आने वाले विनिर्माण क्लस्टर की पेशकश की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पेगाट्रॉन अब भारत में कंपनी की स्थापना कर रहा है और ताइवान के इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबलरों फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप और विस्ट्रॉन में शामिल हो रहा है, जो पहले से ही दक्षिण भारत में कुछ आईफोन हैंडसेट बना रहे हैं। चीन में कई कारखानों के साथ, दूसरा सबसे बड़ा असेंबलर है और अपने आधे से अधिक व्यवसाय के लिए पर निर्भर करता है।

पश्चिम बंगाल में सस्ती होगी शराब, घटती बिक्री को लेकर सरकार टैक्स में करेगी कटौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार बिक्री में भारी गिरावट को लेकर शराब पर हाल में लगी 30 प्रतिशत कर में कटौती कर सकती है। उद्योग जगत के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बुधवार को कहा कि बिक्री बढ़ाने के लिये भारत में निर्मित विदेशी शराब पर मूल्य के हिसाब से कर लगाया जा सकता है। राज्य में शराब पर अतिरिक्त कर नौ अप्रैल से प्रभावी हुई हैं। हालांकि इसके बाद राज्य में शराब की बिक्री में गिरावट दर्ज की गयी है। कंफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज समेत शराब उद्योग के कई संगठन राज्य में करों को कम करने की मांग उठा चुके हैं। बता दें कि सिर्फ पश्चिम बंगाल ने ही शराब पर टैक्स बढ़ाए ऐसा नहीं है। कई अन्य राज्यों ने अपनी कमाई बढ़ाने के लिए शराब पर टैक्स बढ़ाया था। इस कड़ी में कई अन्य राज्यों ने अपनी कमाई बढ़ाने के लिए शराब पर टैक्स बढ़ाया था। अनलॉक की प्रक्रिया में सबसे पहले शराब की दुकानों को ही खोला गया, क्योंकि उससे सरकार की बहुत ज्यादा कमाई होती है। अब धीरे-धीरे कर के राज्य वापस ये टैक्स हटा रहे हैं, क्योंकि इससे सेल्स पर काफी असर पड़ रहा है।

सलारपुरिया सत्व 600 करोड़ रुपये के निवेश से तीन नई परियोजनाएं शुरू करेगी

नई दिल्ली।

भारत में वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सलारपुरिया सत्व अपनी आवासीय परियोजनाओं का विस्तार कर रही है और वह करीब 600 करोड़ रुपये के निवेश से बेंगलुरु में तीन परियोजनाएं शुरू करेगी। सलारपुरिया सत्व के समूह प्रबंध निदेशक विजय अग्रवाल ने कहा कि आवासीय बिक्री और निर्माण गतिविधियां अप्रैल-मई के दौरान बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, लेकिन जून से हालात में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अगले डेढ़ साल में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 1,200 करोड़ रुपये की मूल्य तक तैयार आवासीय इकाइयों को बेचने का लक्ष्य तय किया है। नई परियोजनाओं के बारे में उन्होंने बताया कि कंपनी बेंगलुरु में सितंबर में तीन नई आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें लगभग 1,200 इकाइयां होंगी। इनमें से एक परियोजना किफायती आवास श्रेणी की होगी।अग्रवाल ने कहा कि तीनों परियोजनाओं के लिए करीब 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि तीनों परियोजनाओं के लिए करीब 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवास की मांग में उतनी अधिक गिरावट नहीं आई है, जितनी कि आशंका थी।

कृषि, ग्रामीण कामगारों की खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में घटी

नयी दिल्ली।

कृषि और ग्रामीण कामगारों के लिये खुदरा मुद्रास्फीति की दर कम होकर जुलाई महीने में क्रमशः 6.58 प्रतिशत व 6.53 प्रतिशत रह गई। कुछ खाद्य पदार्थों के दाम घटने से इनमें कमी आई है। श्रम मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। श्रम मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, सीपीआई-एएल (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक- कृषि मजदूर) और सीपीआई-आरएल (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-ग्रामीण मजदूर) पर आधारित मुद्रास्फीति एक महीना पहले जून में क्रमशः 7.16 प्रतिशत और 7 प्रतिशत रही थी। बयान के अनुसार सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल के खाद्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति जुलाई 2020 में क्रमशः 7.83 प्रतिशत और 7.89 प्रतिशत दर्ज की गयी। वृद्धि मेघालय में और ग्रामीण मजदूरों के लिये 14 अंक की वृद्धि जम्मू कश्मीर व मेघालय (14 अंक) में हुई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अधिकतम 15 अंक की वृद्धि मेघालय में और ग्रामीण मजदूरों के लिये 14 अंक की वृद्धि जम्मू कश्मीर व मेघालय (14 अंक) में हुई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अधिकतम 15 अंक की वृद्धि मेघालय में और ग्रामीण मजदूरों के लिये 14 अंक की वृद्धि जम्मू कश्मीर व मेघालय (14 अंक) में हुई। इसका मुख्य कारण दूध, बकरी मांस, मछली सूखी, बीड़ी, सब्जियों, फलों और बस किराया आदि की दरों का बढ़ना है। इसके विपरीत, कृषि मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों के लिये सीपीआई में अधिकतम कमी त्रिपुरा में क्रमशः 8 अंक और 5 अंक की रही। यह मुख्य रूप से चावल, बकरी मांस , मछली ताजी/सूखी की कीमतों में गिरावट के कारण है। बयान में कहा गया कि जुलाई 2020 में खेतिहर मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों के लिये अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 1986-87 = 100) क्रमशः तीन व चार अंक बढ़कर 1,021 और 1,028 अंक पर पहुंच गये। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा, ÷देश में कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थिति के बावजूद सरकार द्वारा किये गये उपाय इस अवधि के दौरान मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में सक्षम रहे।'' श्रम ब्यूरो के महानिदेशक डी एस नेगी ने कहा, सूचकांक में वृद्धि से ग्रामीण इलाकों में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लाखों श्रमिकों के वेतन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

स्वास्थ्य प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी से फायदा लेने की जरूरतः गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू स्वास्थ्य प्रणाली में नई ऊर्जा भरने के लिए स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा उपकरण उद्योग को तकनीकी से फायदा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी भारतीयों को अच्छी गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उद्योग संघ सीआईआई के 'मेडटेक ग्लोबल समिट 2020' में उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह वास्तव में ऐसा समय है, जब हमें अपनी स्वास्थ्य प्रणाली में नई ऊर्जा भरने के लिए तीन 'ए - एक्सेस (पहुंच), अवेरनेस (जागरुकता) और एवैलबिलिटी (उपलब्धता)' के साथ तकनीकी साधनों का फायदा लेना होगा।' गोयल ने कहा कि डेटा और इसके प्रसंस्करण का इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों को बेहतर बनाने में किया जा सकता है और इससे चिकित्सकों को रोगियों संबंधी सूचनाएं किसी बाधा के बिना आसानी से मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि इससे रोगियों के सटीक इलाज और देखभाल में चिकित्सकों और अस्पतालों को मदद मिलेगी।साथ ही मंत्री ने कहा कि यदि हम अपने नागरिकों को स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा नहीं दे सकते, तो आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल करना असंभव है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत में अत्याधुनिक तकनीक का विकास करने और वैश्विक व्यापार में भारत का सही स्थान सुनिश्चित करने में घरेलू फार्मा और चिकित्सा उपकरण उद्योग सफल होंगे।

हिंडाल्को व अल्ट्राटेक सीमेंट के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली।

एल्युमिनियम और तांबा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अल्ट्राटेक सीमेंट के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर दस्तखत किए हैं, जिसके तहत सीमेंट कंपनी के सात राज्यों में स्थित 14 संयंत्रों को प्रति वर्ष 12 लाख मीट्रिक टन बॉक्साइट अवशेषों की आपूर्ति की जाएगी।हिंडाल्को ने दावा किया कि वह अपनी तीन रिफाइनरियों में लाल मिट्टी (बॉक्साइट अवशेषों) का 100 प्रतिशत इस्तेमाल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई है। हिंडाल्को के प्रबंध निदेशक सतीश पाई ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'हिंडाल्को इस बॉक्साइट अवशेष का इस्तेमाल करने जा रही है।

इसमें से 12 करोड़ टन बॉक्साइट अवशेष की आपूर्ति सिर्फ एक कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट को की जाएगी, जो भारत का सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक है।' एल्युनिमियम विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान लाल मिट्टी निकलती है, जिसमें प्रचुर मात्रा में आयरन ऑक्साइड, एल्युमिना, सिलिका और क्षारीय तत्व निकलते हैं। सीमेंट उद्योग ने लेटेराइट और लिथोमारेज जैसे खनिजों की जगह लाल मिट्टी के इस्तेमाल की क्षमता विकसित की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस साल अमेरिकी ओपन नहीं खेलेंगे बॉब और माइक ब्रायन

न्यूयार्क। बॉब और माइक ब्रायन इस साल अमेरिकी ओपन पुरूष युगल वर्ग में नजर नहीं आयेंगे और इसे अमेरिका के 42 वर्षीय इन जुड़वा भाइयों कें कैरियर का अंत माना जा रहा है। सोलह बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ब्रायन बंधुओं ने न्यूयार्क में पांच ग्रैंडस्लैम जीते जिनमें आखिरी बार 2014 में जीत मिली थी। माइक ने जैक सोक के साथ 2018 में खिताब जीता जब बॉब कूल्हे के आपरेशन के बाद उपचार करा रहे थे। अमेरिकी टेनिस संघ ने महिला और पुरूष युगल वर्ग की वरीयता की घोषणा की । तीन बार की चैम्पियन किम क्लाइटजर्स को युगल में वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट 31 अगस्त से एकल मुकाबलों के साथ शुरू होगा। युगल मुकाबले दो सितंबर से खेले जायेंगे ।इसमें कोरोना वायरस महामारी के कारण 64 की बजाय 32 टीमों को ही प्रवेश दिया गया है।

विश्व चैम्पियन

ग्रांड फाइनल - कार्लसन के असाधारण खेल से स्कोर बराबर अब होगा अंतिम महामुक़ाबला

नॉर्वे । मेगनस कार्लसन टूर अब जाकर अपने अंतिम और निर्णायक महामुकाबले पर पहुँच गया है और अब देखना होगा की कौन इसका विजेता बनकर सामने आता है । बेस्ट ऑफ 7 सेट के ग्रांड फाइनल मे छठे दिन 3-2 से आगे चल रहे अमेरिका के हिकारु नाकामुरा को खिताब हासिल करने के लिए दिन अपने नाम करना था पर विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें एक बार फिर शानदार खेल से छठा सेट 3-1 से जीतकर कुल स्कोर 3-3 कर दिया और अब अंतिम सातवाँ दिन जो भी सेट अपने नाम करेगा वही इस 5 माह से चल रहे शतरंज टूर का विजेता होगा । छठे दिन की शुरुआत मेगनस कार्लसन नें टूर्नामेंट मे अपने अब तक के सबसे बेहतरीन मुक़ाबले से की । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कार्लसन नें निमजों इंडियन डिफेंस मे पहले दो प्यादों फिर अपने घोड़े और फिर हाथी के बलिदान से एक असाधारण खेल मे 41 चालों मे खेल जीत लिया । दूसरे मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे नाकामुरा राय लोपेज ओपेनिंग मे स्कोर बराबर करने के करीब थे पर वह अपने राजा की अच्छी स्थिति का फायदा नहीं उठा सके और 70 चालों मे मुक़ाबला ड्रॉ रहा और तीसरे मुक़ाबले मे मेगनस कार्लसन नें मात्र 17 चालों मे ड्रॉ खेलकर अंतिम मुक़ाबले पर निर्णय पहुंचा दिया ।

चौंथे और अंतिम मुक़ाबले मे नाकामुरा को किसी भी हालत मे जीत चाहिए थी पर राय लोपेज ओपेनिंग मे कार्लसन नें संतुलित खेल खेला और 36 वीं चाल मे नाकामुरा के वजीर की गलत चाल का फायदा उठाकर मात्र 40 चालों मे खेल अपने नाम कर लिया और इस तरह दो जीत दो ड्रॉ से कुल 3-1 के स्कोर से दिन अपने नाम किया ।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी आईपीएल के सभी मैच खेल सकते हैं: आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के चैयरमैन संजीव चूड़ीवाला का कहना है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी आईपीएल के शुरुआती मैच समेत टूर्नामेंट के सभी मैच खेलेंगे। संजीव ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी 17 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच जाएंगे जहां 19 सितंबर से 10 नवंबर तक आईपीएल का आयोजन होना है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को दो से 16 सितम्बर तक सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। आरसीबी चेयरमैन के अनुसार आरसीबी की टीम कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में शुक्रवार को दुबई को पहुंचेगी। दक्षिण अफ्रीका के एबी डीविलियर्स, क्रिस मोरिस और डेल स्टेन भी इस सप्ताह के अंत में दुबई पहुंच जाएंगे।

खिलाड़ियों को आईपीएल के लिए यूएई पहुंचने पर सात दिनों के लिए क्वारेंटीन में रहने के संकेत के बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों के आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में खेलने पर संशय था। इस दौरान खिलाड़ियों को ट्रेनिंग से पहले तीन टेस्ट से भी गुजरना था। कोरोना वायरस के कारण सुरक्षा को देखते हुए आईपीएल संचालन परिषद ने फ्रेंचाइजों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तय की थी जिसे सभी फ्रेंचाइजों के साथ साझा किया गया था। आईपीएल की आठ टीमों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के करीब 29 खिलाड़ी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के आईपीएल के शुरुआती मैचों में नहीं खेलने का प्रभाव सर्वाधिक राजस्थान रॉयल्स पर पड़ता। राजस्थान की टीम में जोफ्रा आर्चर, जोस बटलर, स्टीवन स्मिथ, बेन स्टोक्स और टॉम करेन जैसे खिलाड़ी शामिल है ।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की गरिमा को बनाये रखना होगा : सुशील

नयी दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने गुरुवार को संकेत दिये कि चयनसमिति ने जरूरत से ज्यादा नामों की सिफारिश करके राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की गरिमा को खतरे में डाला है। चयनसमिति ने इस बार खेल रत्न के लिये पांच और अर्जुन पुरस्कार के लिये 29 खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की है जो कि चर्चा का विषय बना हुआ है। इस स्टार पहलवान ने सीधे शब्दों में नहीं कहा लेकिन संकेत दिये कि इतने अधिक खिलाड़ियों को पुरस्कार देने से इनकी गरिमा कम होगी। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों से जुड़े गौरव को बनाये रखना जरूरी है। सुशील ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''जिनको नामित किया गया है मैं उन्हें बधाई देता हूं लेकिन मुझे लगता है कि इन राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की गरिमा बनाये रखने की तरफ काम करना चाहिए। यह ओलंपिक वर्ष भी नहीं है। '' उन्होंने कहा, ''मैं भी एक खिलाड़ी हूं और मैं सभी के लिये खुश हूं लेकिन हमें इन पुरस्कारों से जुड़े गौरव को बनाये रखना होगा। '' इससे पहले 2016 में सरकार ने रियो ओलंपिक के प्रदर्शन के आधार पर चार खिलाड़ियों बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू, पहलवान साक्षी मलिक, जिम्नास्ट दीपा करमाकर और निशानेबाज जीतू राय को खेल रत्न पुरस्कार दिया था।इस बार क्रिकेटर रोहित शर्मा, पहलवान विनेश फोगाट, महिला हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और रियो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता ऊंची कूद के एथलीट मरियप्पन थंगवेलु का नाम खेल रत्न पुरस्कार के लिये भेजा गया है जबकि बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य और लंदन ओलंपिक 2012 में रजत पदक जीतने वाले सुशील ने कहा कि यह उनकी समझ से परे है ।

शोभेजा क्रिकेट लीग की दस्तक, शेड्यूल घोषित, इतनी तारीख से शुरु होंगे मैच

नई दिल्ली । कोविड-19 के दौर में क्रिकेस फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आ गई है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा कर दी है कि 6 सितंबर से शोभेजा क्रिकेट लीग करवाई जाएगी जिसमें देश के टॉप क्रिकेटरों से सजी छह टीमें कप के लिए खेलेंगी। प्रबंधन ने आईपीएल से इसका टकराव न हो इसके लिए इस लीग को 6 सितंबर से 18 सितंबर तक खत्म करने की बात कही है। सारे मैच काबुल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। काबुल ईगल्स ,समीनुल्लाह शिनवारी (रिटेन), रहमानुल्लाह गुरबाज (आइकन खिलाड़ी), मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, अजमतुल्लाह उमरजई, रियाज हसन, फम्मानुल्लाह सफी, जिया उर रहमान अकबर, सेदिकउल्लाह अटल, युनूस अहमद अलाय अहमद रहीमी, इहसानुल्लाह इहसन, अब्दुल्ला नायब, रहीम मंगल, निजात मसूद, रहमानुल्लाह जादरान। मिस-ए ऐनक नाइट्स, मुहम्मद नबी (रिटेन), मोहम्मद शहजाद (आइकन खिलाड़ी), नजीबुल्लाह तारकिया, हशमतुल्ला शाहिदी, शाहिदुल्लाह कमाल, नूर अहमद लकंवाल, अब्दुल रहमान, सादिकुल्लाह पाचा, दावत जादरान, अफसर जजई, इब्राहिम खान, बहरीन खान, बाहर अली शिनवारी, अबिद तनीवाल, अब्दुला मजारी, अब्दुल बक्की, पोपल, जमशेद खान, गमई जादरान। बाइक्स डिफेंडर , गुलबदीन नायब (रिटेन), करीम जानत (आइकन खिलाड़ी), हुमाज हॉटक, रहमत शाह, अहसानुल्लाह जन्नत, सैयद अहमद शिरजाद, शफीकुल्लाह गफरी, मुनीर अहमद काकर, ताहिर आदिल, सलीम सफी, वकारुल्लाह इशाकजई, इमरन जन्नत, निसार जन्नत, निसार , गुलाम दस्तगीर, नसीबुल्लाह शेरदली, जिया उल हक इश्किल। अमो शार्क, जुमा गुल मिआखिल (रिटेन), जावेद अहमदी (आइकन खिलाड़ी), यूसुफ जाजी, फरहान जख़ील, फरहिद मलिक, मुराद मुरादी, शावख्त जमान, यामीन अहमदजई, जाहिद जखलि, हयातुल्ला नसीरी, दारिश रसूली, बातिन शाह, फतहुल्लाहुल्लाह, फतहुल्लाह अब्दुल वसी, नसरतुल्लाह कुरैशी, इमरान मोहम्मदी। स्पेंगर टाइगर्स, नजीबुल्लाह जादरन (रिटेन), कैस अहमद (आइकन खिलाड़ी), आफताब आलम, करीम खान सादिक, शबीर नूरी, फजल जजई, जहीर खान पनाह, वहीदुल्ला शफक, अब्दुल्ला आदिल, नासिर उमर, रहमतुल्लाह साहक, परवेज मलिक, परवेज मलिक अकबरी, जहीर शहजाद, मजीब आलम। बैंड-ए आमिर ड्रेगन , राशिद खान (रिटेन), असगर अफगान (आइकन खिलाड़ी), शराफुद्दीन अशरफ, हनीद हसन, इब्राहिम जादरान, हजरतुल्लह जजई, तारिक स्टेनिकजाई, मीरवाइज अशरफ, वकारुल्लाह सलामखिल, नासिर जमाल, उस्मान गनी, मोहम्मद सरदार, इब्राहिम, इब्राहिम अलीखिल।

संक्षिप्त समाचार

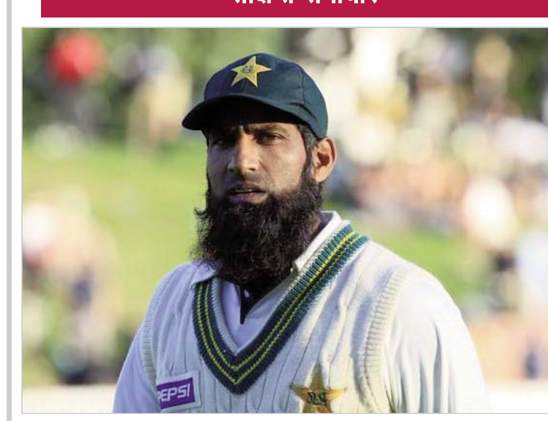

पीसीबी हाई परफोरमेन्स सेंटर के बल्लेबाजी कोच बने पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ को लाहौर स्थित राष्ट्रीय हाई परफोरमेन्स सेंटर का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया। टेस्ट क्रिकेट में 7530 और वनडे में 9720 रन बनाने वाले यूसुफ इस केंद्र में प्रशिक्षकों की अगुवाई करेंगे। मुश्ताक अहमद इस केंद्र के स्पिन गेंदबाजी सलाहकार हैं। यूसुफ ने पीसीबी के बयान में कहा, 'कोचिंग में करियर बनाने की मेरी महत्वकांक्षा एक खुला रहस्य है लेकिन यह सही समय और हमारी भविष्य की क्रिकेट के लिए उचित रोडमैप से जुड़ा था जिसमें मैं प्रभावी तरीके से योगदान दे सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह मेरे लिये अपनी दूसरी पारी शुरू करने का सही समय है क्योंकि मैं इसके प्रति आशान्वित हूं। मैं यह अवसर मिलने से खुश हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं अपने ज्ञान और अनुभव से युवा क्रिकेटरों की मदद कर सकता हूं। यूसुफ के साथ पूर्व विकेटकीपर अतीक उज जमां और तेज गेंदबाज मोहम्मद जाहिद भी इस केंद्र से जुड़ेंगे। अतीक ने एक टेस्ट और तीन वनडे जबकि जाहिद ने पांच टेस्ट और 11 वनडे खेले हैं।

हरभजन सिंह को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, टीम के साथ नहीं जाएंगे युएई

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के सीनियर आफ स्पिनर हरभजन सिंह शुक्रवार को टीम के साथ दुबई के लिए रवाना नहीं होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ निजी कारणों की वजह से उन्होंने ये फैसला लिया है। कोरोना वायरस के कारण आईपीएल 13 का आयोजन यूएई में किया गया है और यह 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनुभवी भारतीय गेंदबाज एक सप्ताह या 10 दिन बाद टीम के साथ यूएई में जुड़ेंगे। रविंद्र जडेजा, जिन्होंने निजी कारणों की वजह से चेन्नई में हुए कैंप में हिस्सा नहीं लिया, वह शुक्रवार को टीम के साथ ही यूएई के लिए रवाना होंगे। हरभजन सिंह के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के फाफ डू प्लेसिस औरलुंगी एनगिडी सितंबर की शुरुआत में यूएई पहुंचेंगे जबकि इमरान ताहिर, मिशेल सेंटनर और ड्वेन ब्रावो जो कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के मौजूदा संस्करण में खेल रहे हैं, वह भी देर से टीम में शामिल होंगे। लुंगी एनगिडी सितंबर की शुरुआत में यूएई पहुंचेंगे जबकि इमरान ताहिर, मिशेल सेंटनर और ड्वेन ब्रावो जो कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के मौजूदा संस्करण में खेल रहे हैं, वह भी देर से टीम में शामिल होंगे।

खेल पुरस्कारों की इनामी राशि में भारी बढ़ोतरी करने की तैयारी में खेल मंत्रालय : रिपोर्ट्स

नई दिल्ली । खेल मंत्रालय राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की इनामी राशि में भारी बढ़ोतरी करने की योजना बना रहा है और अगर इस तरह के प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो खेल रत्न पाने वाले खिलाड़ी को 25 लाख तथा अर्जुन पुरस्कार विजेता को 15 लाख रुपए की धनराशि मिलेगी। वर्तमान में खेल रत्न सम्मान पाने वाले खिलाड़ी को 7.5 लाख और अर्जुन पुरस्कार विजेता को 5 लाख रुपए की नकद धनराशि मिलती है। पता चला है कि मंत्रालय इस प्रस्ताव को अंतिम रूप देने में लगा हुआ है जिसकी खेल मंत्री किरेन रीजीजू 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के दिन औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। इसी दिन हर साल राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिए जाते हैं। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने पीटीआई से कहा, 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की इनामी राशि में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होनी तय है। इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। खिलाड़ियों ने शिकायत की थी कि खेल पुरस्कारों की इनामी राशि बहुत कम है जिसके बाद मंत्री ने स्वयं इसमें दिलचस्पी दिखायी। उन्होंने कहा, 'इस प्रस्ताव पर अब भी विचार चल रहा है और अगर सरकार ने इसे स्वीकार कर दिया तो इस साल से ही नयी इनामी राशि दी जाएगी। इस संबंध में हालांकि जब खेल सचिव रवि मित्तल से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस तरह के किसी प्रस्ताव से अवगत नहीं हैं। मित्तल से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे पता नहीं। मैं कुछ नहीं जानता। ध्यानचंद और द्रोणाचार्य (जीवन पर्यंत) पुरस्कारों की इनामी राशि भी पांच लाख से 15 लाख रुपये करने का प्रस्ताव है इसके अनुसार नियमित द्रोणाचार्य पुरस्कार की इनामी राशि 10 लाख रुपये कर दी जाएगी। अभी यह जीवन पर्यंत के समान ही पांच लाख रुपए है। अगर प्रस्ताव मंजूर करके 29 अगस्त से पहले लागू कर दिया जाता है तो सरकार को इस बार पुरस्कारों पर मोटी धनराशि खर्च करनी होगी क्योंकि खेल मंत्रालय की चयनसमिति ने विभिन्न राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिये 62 नामों की सिफारिश की है। क्रिकेटर रोहित शर्मा, पहलवान विनेश फोगाट, महिला हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और रियो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता ऊंची कूद के एथलीट मरियप्पन थंगवेलु का नाम खेल रत्न पुरस्कार के लिये भेजा गया है जबकि अर्जुन पुरस्कार के लिए 29 खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की गई है। इसके अलावा द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए 13 प्रशिक्षकों जबकि ध्यानचंद पुरस्कार के लिए 15 नाम भेजे गए हैं। खेल मंत्री से मंजूरी मिलने के बाद ही अंतिम सूची सामने आएगी। इससे पहले 2009 में राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की इनामी राशि में बढ़ोतरी की गई थी।

चहल ने बताया आरसीबी की असफलता का कारण, कहा- इस वजह से गंवाए 30 प्रतिशत मैच

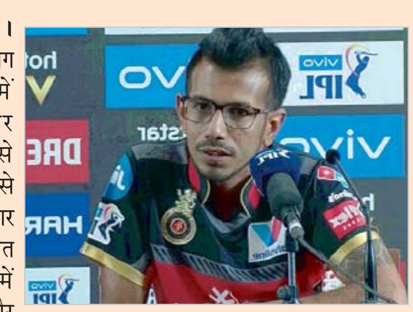

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु सबसे असफल टीमों में से एक है और एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई हैं। हाल ही में भारतीय स्पिनर और आरसीबी के लिए खेलने वाले युजवेंद्र चहल ने टीम की असफलता का कारण बताया है। चहल ने कहा कि आरसीबी की असफलता का कारण खराब गेंदबाजी है। चहल ने कमेंटेटर आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान कहा, यह हमेशा हमारे दिमाग में आता है कि हमें आगे क्या करना चाहिए। मैंने आरसीबी के लिए 6 साल तक खेला है, एक साल के अलावा जब हमारे पास स्टार्क था, हमारी डेथ ओवर गेंदबाजी की समस्या हमेशा से रही है। उन्होंने कहा, हम 16वें या 17वें ओवर तक एक मजबूत पकड़ रखते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमने आखिरी 3 ओवरों के कारण कम से कम 30त्न मैच गंवाए हैं। गौर हो कि कोरोना वायरस के कारण इस बार आईपीएल यूएई में खेला जा रहा है। आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। इसके लिए किंग्स इलेवन पंजाब और कोलकाता नाइट राइडर्स दुबई के लिए निकल चुकी हैं जबकि आरसीबी को अभी जाना है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स दुबई जाने की तैयारी में है और 21 या 22 अगस्त को रवाना होगी। गौर हो कि कोरोना वायरस के कारण इस बार आईपीएल यूएई में खेला जा रहा है। आईपीएल 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। इसके लिए किंग्स इलेवन पंजाब और कोलकाता नाइट राइडर्स दुबई के लिए निकल चुकी हैं जबकि आरसीबी को अभी जाना है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स दुबई जाने की तैयारी में है और 21 या 22 अगस्त को रवाना होगी।

कोरोना संक्रमित के संपर्क में आए दो खिलाड़ी टेनिस टूर्नामेंट से बाहर

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन से पहले होने वाले वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट से दो खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है जो कोरोना पॉजिटिव के संपर्क में आए थे। आयोजकों ने बुधवार को एक बयान जारी करके ऐलान किया कि दो खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से बाहर करके पृथकवास में भेज दिया गया है। आयोजकों ने बुधवार को एक बयान जारी करके ऐलान किया कि दो खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से बाहर करके पृथकवास में भेज दिया गया है। उनके नामों का खुलासा नहीं किया गया है। यह टूर्नामेंट आम तौर पर सिनसिनाटी में होता है लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे न्यूयार्क में कराया जा रहा है। अमेरिकी ओपन 31 अगस्त से शुरू होगा।

इमरान ताहिर का हेयर स्टाइल चर्चा में, सीपीएल में पहली ही गेंद पर निकाली विकेट

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के स्टार स्पिनर इमरान ताहिर ने सीपीएल में गुआना एमेजॉन वारियर्स की ओर से खेलते हुए शानदार शुरुआत की है। ताहिर ने सिर्फ अपने पहले मैच में किफायती गेंदबाजी की बल्कि अपनी हेयरस्टाइल को लेकर भी चर्चा बटोर ले गए। ताहिर ने 4 ओवरों में महज 18 रन देते हुए दो विकेट निकाले। उन्होंने साथी कीमो पॉल का बाखूबी साथ दिया जिन्होंने 4 ओवरों में 19 रन देकर 4 विकेट लिए थे। इमरान के लिए सीपीएल 2020 इस लिए भी खास रहा क्योंकि उन्होंने यहां अपनी पहली ही गेंद पर विकेट निकाल लिया। इमरान जब बॉलिंग करने आए तो लग रहा था कि सेंट किट्स की ओर से ओपनर क्रिस लिन बड़ा स्कोर बनाने के मूड में हैं लेकिन ताहिर ने पहली ही गेंद पर क्रिस ग्रीन के हाथों कैच आऊट कर मैच अपनी टीम के पलड़े में कर दिया। शुरुआती झटकों से फिर सेंट कीट्स टीम उभर नहीं पाई और महज 127 रन ही बना पाई। छोटा लक्ष्य मिलने के बाद गुआना के ऊपरी क्रम ने जोरदार शुरुआत की। खासतौर पर शिमरोन हेटमायर तो इस दौरान अलग ही लय में नजर आए। उन्होंने 44 गेंदों में 8 चौके और तीन छक्कों की मदद से 71 रन बनाए जिसकी बदौलत गुआना ने यह मैच 17 ओवर में ही जीत लिया। कीमो पॉल को चार विकेट लेने के कारण मैन ऑफ द मैच चुना गया।

फुटबॉल कोच पद से हटाया तो चुरा लिए खिलाड़ियों के मोबाइल, गिरफ्तार

नई दिल्ली । फुटबॉल टीम के कोच पद से हटाए जाने से नाराज एक व्यक्ति ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में ड्रेसिंग रूम से क्लब के सदस्यों के मोबाइल फोन चुरा दिए जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पूर्व फुटबॉल कोच और पांडव नगर के रहने वाले शेखर पाठक ने दिल्ली यूनाईटेड फुटबॉल क्लब के सदस्यों के फोन चुराए। पुलिस को 13 मार्च को एक फुटबॉल टीम से जुड़े 12 मोबाइल फोन और पर्स चोरी होने की सूचना मिली थी जिनमें लगभग 10,000 रुपए थे। पुलिस ने बताया कि जांच से पता चला कि ड्रेसिंग रूम फुटबॉल टीम को दिया गया था और सभी खिलाड़ियों ने लॉकर्स में अपना सामान रखा था। मैच समाप्त होने के बाद जब खिलाड़ी वापस आए तो उन्होंने पाया कि लॉकर्स तोड़े हुए है और उनके मोबाइल फोन और पर्स गायब हैं। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा- पुलिस ने स्टेडियम में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी और चोरी हुए फोन पर निगरानी रखी। दो महीने बाद चोरी किया गया एक फोन स्विच ऑन पाया गया। पुलिस ने फोन करने वाले व्यक्ति को पकड़ लिया और उससे पूछताछ की। उस व्यक्ति ने बताया कि पाठक ने उसे यह फोन बेचा था लेकिन उसने उसे वापस कर दिया था क्योंकि पूर्व कोच फोन की मूल रसीद उपलब्ध नहीं करा पाया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद आरोपी को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से नौ मोबाइल फोन बरामद किए गए। पाठक जिलास्तरीय फुटबाल खिलाड़ी रहा है तथा 2004 से 2010 तक लायन्स क्लब फुटबॉल टीम की तरफ से खेलता था। मार्च 2011 से उसने कोच के तौर पर करियर शुरू किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंगना रनौत ने अपनी टीम के ट्विटर हैंडल के माध्यम से भारत सरकार से करण जौहर की पद्म श्री को वापस लेने का अनुरोध किया है। एक्ट्रेस ने करण जौहर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुझे डराने, सुशांत सिंह राजपूत के खिलाफ साजिश रचने और मेरे करियर को नष्ट करने का प्रयास किया है।

कंगना रनौत ने करण जौहर को कहा एंटीनेशनल! भारत सरकार से की पद्म श्री वापस लेने की अपील

बॉलीवुड क्वीन कंगना रनौत और करण जौहर के बीच का विवाद शांत होने का नाम ही नहीं ले रहा। जहां सुशांत की मौत के बाद से ही करण जौहर चुप्पी साध कर बैठे है वहीं कंगना रनौत लगातार एक के बाद एक करण पर आरोप लगा रही है। कंगना और करण की लड़ाई अब बड़े स्तर पर पहुंच गयी है। कंगना रनौत की टीम ने एक ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने भारत सरकार ने करण जौहर से पद्म श्री सम्मान वापस लेने की अपील की है और साथ ही करण जौहर पर कई आरोप भी लगाए हैं।

कंगना रनौत ने अपनी टीम के ट्विटर हैंडल के माध्यम से भारत सरकार से करण जौहर की पद्म श्री को वापस लेने का अनुरोध किया है। एक्ट्रेस ने करण जौहर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुझे डराने, सुशांत सिंह राजपूत के खिलाफ साजिश रचने और मेरे करियर को नष्ट करने का प्रयास किया है। कंगना ने करण पर भारतीय सेना के खिलाफ 'राष्ट्र-विरोधी' फिल्म बनाने का आरोप भी लगाया।

अपने सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा- "मैं केजेओ की पद्मश्री वापस लेने के लिए भारत सरकार से अनुरोध करती हूं, उसने मुझे खुले तौर पर डराया और मुझे एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर उद्योग छोड़ने के लिए कहा, सुशांत के करियर में बर्बाद करने की साजिश रची, उन्होंने उरी लड़ाई में पाकिस्तान का समर्थन किया और अब हमारी सेना के खिलाफ एंटीनेशनल फिल्म बनाई है। इस लिए सरकार की तरफ से दिया गया पद्मश्री उनसे वापस ले लिया जाए।

कंगना और करण जौहर के बीच झगड़ा लंबे समय से चल रहा है। दोनों के बीच टकराव की शुरूआत करण जौहर के शो 'कोफी विद करण' से हई थी जहां रैपिड फायर राउंड में कंगना ने के निर्देशक करण जौहर को मूवी माफिया और नेपोटिज्म का झंडाबरदार कहा था।सुशांत की मौत के बाद यह बहस फिर से शुरू हो गई क्योंकि कंगना ने दावा किया कि अभिनेता को बॉलीवुड में विशेषाधिकार रखने वाले क्लब ने 'अपमानित' किया था।

मंगलवार के ट्वीट में पूर्व भारतीय वायु सेना की पायलट गुंजन सक्सेना के शपथपत्र, फ्लाइट लेफ्टिनेंट (पुनः) श्रीविद्या राजन के एक अन्य ट्वीट के हवाले से लिखा गया कि फिल्म गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल में तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। फिल्म का निर्माण करण के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है और पिछले सप्ताह नेटफ्लिक्स पर आया था।

मंगलवार के ट्वीट में पूर्व भारतीय वायु सेना के पायलट गुंजन सक्सेना के शपथपत्र, फ्लाइट लेफ्टिनेंट (पुनः) श्रीविद्या राजन के एक अन्य ट्वीट के हवाले से लिखा गया कि गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल 'के तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। फिल्म का निर्माण करण के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है और पिछले सप्ताह नेटफ्लिक्स पर आया था।

कंगना रनौत ने बड़े मंच पर डराने वाली बात उस संदर्भ में की है जब करण द्वारा 'खुले तौर पर डराया' गया था, वह मार्च 2017 में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपनी टिप्पणियों के बारे में बात कर रही थी। करण के उस बयान के बाद कंगना ने करण जौहर को'भाई-भतीजावाद का ध्वजवाहक' और 'माफिया' कहा। कंगना के बारे में करण ने कहा था कि उन्हें फिल्म उद्योग छोड़ देना चाहिए, अगर उन्हें इससे इतना बुरा लगता है।

फिर योद्धा अवतार में लौटेंगे बाहुबली प्रभास! रामायण पर आधारित नयी फिल्म की घोषणा

अभिनेता प्रभास निर्देशक ओम राउत और निर्माता भूषण कुमार के साथ आगामी फिल्म आदिपुरुष के लिए काम करेंगे। मंगलवार को इसकी घोषणा की गई। रामायण के रूपांतरण के लिए तैयार की गई इस परियोजना को 3 डी में बनाया जाएगा।

सिनेमा के बाहुबली एक्टर प्रभास लगातार एक के बाद एक नयी फिल्में साइन कर रहे है। हाल ही में उन्होंने अपनी फिल्म 'राधे-श्याम' की घोषणा की थी। फिल्म में प्रभास के साथ पूजा हेगडे लीड रोल में होंगी। अब प्रभास के लिए दोहरी खुशखबरी है। प्रभास ने एक और बड़ी फिल्म साइन की है। ये फिल्म पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, यानी कि एक बार फिर प्रभास को पड़े पर्दे पर एक योद्धा के रुप में फैंस देख सकेंगे। प्रभास ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल शेयर किया है। प्रभास की अगामी फिल्म का टाइटल- आदिपुरुष होगा।

अभिनेता प्रभास निर्देशक ओम राउत और निर्माता भूषण कुमार के साथ आगामी फिल्म आदिपुरुष के लिए काम करेंगे। मंगलवार को इसकी घोषणा की गई। रामायण के रूपांतरण के लिए तैयार की गई इस परियोजना को 3 डी में बनाया जाएगा। टी-सीरीज़ के सीएमडी भूषण कुमार, तान्हा जी- द अनसंग वारियर के निर्देशक ओम राउत और प्रभास, एक प्रसिद्ध 3 डी फीचर फिल्म भारतीय महाकाव्य का एक स्क्रीन रूपांतरण है, जो बुराई पर अच्छाई की विजय के इर्द-गिर्द घूमेती है।भारतीय संस्कृति के सबसे लोकप्रिय अध्याय पर आधारित, ओम राउत की इस प्रसिद्ध कहानी को हिंदी और तेलुगु दो भाषाओँ में शूट किया जाएगा। 3D कल्पात्मक नाटक को तमिल, मल्यालम, कन्नड़ और कई अन्य विदेशी भाषाओं में डब कर एक साथ रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म में विरोधी की भूमिका निभाने के लिए बॉलीवुड के सबसे बड़े

नाम के साथ बातचीत चल रही है और हम बहुत जल्द इस बारे में घोषणा की उम्मीद कर सकते हैं!

आदिपुरुष के बारे में बात करते हुए प्रभास ने कहा' हर किरदार और हर चरित्र अपनी चुनौतियों के साथ आता है, लेकिन इस तरह का किरदार निभाने के लिए जबरदस्त जिम्मेदारी और गौरव के साथ आता है। मैं हमारे महाकाव्य के इस चरित्र को निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, विशेष रूप से जिस तरह से ओम ने इसे डिजाइन किया है। मुझे यकीन है कि हमारे देश के युवा हमारी फिल्म पर अपना प्यार जरूर बरसाएंगे।'

भूषण कुमार, कहते हैं कि यह फिल्म उनके करीब है, शेयर करते है, "हर प्रोजेक्ट जिस पर हम काम करते हैं, वह हमारे साथ एक स्पेशल तरह से जुड़े होते है, लेकिन जब ओम ने आदिपुरुष की कहानी सुनाई, तो मुझे पता था कि मुझे इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिस नहीं करना है । मेरे पिता की तरह, मेरा परिवार और मैं हमारी कहानियों और इतिहास पर बहुत विश्वास करते हैं, हम उन कहानियों को सुनते हुए बच्चों से बड़े हो गए हैं। मुझे पता था कि मैं इस प्रसिद्ध फिल्म का हिस्सा बनने जा रहा हूं। शानदार दृश्यों और शानदार किरदारों के साथ बड़े पर्दे पर दर्शकों को एक ऐसी कहानी का अनुभव करने के लिए तैयार रहना चाहिए जिसमें वे विश्वास करते हो।"

ओम राउत ने कहा मैं अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को साकार करने और मेरे विजन का हिस्सा बनने के लिए बिना शर्त, समर्थन के लिए प्रभास का आभारी हूँ, साथ ही भूषण जी जिन्होंने मेरे ड्रीम प्रोजेक्ट को अनकंडीशनल सपोर्ट दिया। हम जबरदस्त जुनून और गर्व के साथ इस यात्रा को शुरू करते हैं और अपने दर्शकों को एक अलग तरह का अनुभव देना का वादा करते हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।'

साहो और राधे श्याम के बाद भूषण कुमार के साथ आदिपुरुष प्रभास की तीसरी फिल्म होगी और निर्देशक ओम राउत के साथ यह उनकी पहली फिल्म होगी। यह तिकड़ी निश्चित रूप से सफलता के नए परचम लहराएगी !

फिल्म वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन चरण में है और 2021 में पूरी तरह से तैयार हो जाने और 2022 में बड़े पैमाने पर रिलीज के साथ हिट होने की उम्मीद है।

असम के बाढ़ पीड़ितों के लिए अक्षय कुमार ने बढ़ाया मदद का हाथ, दान किए इतने रुपए

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार (Akshay Kumar) ने एक बार फिर मुसीबत में फंसे लोगों की मदद की है.

आपको ध्यान होगा कि जब पीएम मोदी ने पीएम केयर फंड का ऐलान किया था, तो अक्षय कुमार (Akshay Kumar) ने 25 करोड़ रुपए के दान का ऐलान करके सबको चौंका दिया था. अक्षय कुमार यूं कभी सार्वजनिक ऐलान नहीं किया करते, लेकिन ये पहली बार था तो बाकी लोगों को पीएम केयर फंड में दान करने के लिए उत्साहित करने के लिए किया गया था. अक्षय कुमार फिर से चर्चा में हैं, असम के मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने मंगलवार को एक ट्वीट करके बताया है कि अक्षय ने असम बाढ़ राहत के लिए 1 करोड़ रुपयों की मदद की है.ऐसे समय में जबकि आमिर खान विवादों में चल रहे हैं, बॉलीवुड सुशांत को लेकर पहले ही निशाने पर है, अक्षय कुमार इस खबर के बाद से फिर चर्चा में आ गए हैं. केवल असम ही नहीं अक्षय ने बिहार में भी बाढ़ राहत के लिए 1 करोड़ रुपए दान दिए हैं. दरअसल कुछ दिन पहले ये खबर आई थी कि अक्षय ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन करके अपनी ये मदद की पेशकश की थी. हालांकि अक्षय ने इस मामले में कोई बयान नहीं दिया है.

अक्षय कुमार ने जब पीएम केयर फंड के लिए 25 करोड़ रुपए के दान का ऐलान किया था, तब मुंबई पुलिस फाउंडेशन के लिए 2 करोड़ रुपए और बीएमसी के कोरोना प्रयासों के लिए 3 करोड़ की मदद का भी ऐलान किया था. पिछले साल मई में भी अक्षय ने उड़ीसा सरकार की फानी चक्रवात के पीड़ितों के लिए 1 करोड़ रुपए की सहायता दी थी.इस तरह की मदद में अक्षय कुमार का सबसे

बेहतरीन आइडिया था 'भारत के वीर', होम मिनिस्ट्री को ये आइडिया बताया जाता है कि अक्षय कुमार ने ही दिया था. इस वेबसाइट के जरिए कोई भी सीधे किसी शहीद के परिवार को आर्थिक मदद दे सकता है, ये देख सकता है कि पैरामिलिट्री के इन जवानों के परिवार को कितनी मदद अब तक मिल चुकी है और इसी आधार पर वो परिवार को चुन सकते हैं. कहते हैं कि अक्षय ने खुद इसके जरिए पांच करोड़ रुपयों की मदद की है, सैकड़ों शहीदों के परिवारों को इस वेबसाइट और फंड के जरिए 15-15 लाख रुपए की मदद हो चुकी है.अक्षय कुमार ना केवल अपनी देशभक्ति की फिल्मों बल्कि 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' और 'पैडमैन' जैसी फिल्मों के जरिए सामाजिक संदेश भी दे रहे हैं बल्कि कुछ समस्यायों को दूर करने में, या आपदा के समय इस तरह की मदद करके एक सच्चे राष्ट्रभक्त सेलेब्रिटी के रोल मॉडल के तौर पर सामने आते रहे हैं.

Pandit Jasraj के निधन पर भावुक हुईं Asha Bhosle, कहा- मैंने बड़ा भाई खो दिया

बॉलीवुड की दिग्गज गायिका आशा भोसले प्रतिष्ठित भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित जसराज के निधन से दुखी हैं.

देश के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित जसराज (Pandit Jasraj) का 17 अगस्त को अमेरिका के न्यूजर्सी में निधन हो गया है. वह शास्त्रीय संगीत के मेवाती घराने से ताल्लुक रखते थे. पंडित जसराज के निधन पर तमाम बड़ी हस्तियों ने शोक व्यक्त किया. इसी कड़ी में बॉलीवुड की दिग्गज गायिका आशा भोसले प्रतिष्ठित भारतीय शास्त्रीय गायक पंडित जसराज के निधन पर दुख जताया हैं.

आशा भोसले (Asha Bhosle) ने पंडित जसराज को याद करते हुए लिखा, मैं पंडित जसराज जी के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से बहुत दुखी हूं. मैंने ऐसे व्यक्ति को खोया जो मेरे लिए बेहद प्रिय थे. मैंने एक बड़े भाई को खो दिया है. संगीत का सूरज डूब गया. वह बहुत अच्छे गायक थे, हम एक दूसरे को काफी समय से जानते थे, यहां तक कि उनकी शादी के पहले से. वह मेरी बहुत प्रशंसा करते थे और वे हमेशा कहते थे, मैं तुम्हें गाना सिखाऊंगा.

आशा भोसले ने अमेरिका ट्रिप को याद किया जब वह पंडित जसराज से मिली थीं. उन्होंने कहा, उन दिनों की बात है, जब मैंने अमेरिका में उनके शास्त्रीय स्कूल का दौरा किया था, जहां वह कई टैलेंट्स को संगीत सिखाते थे. मुझे याद है कि मैं कैसे उनके स्कूल में दाखिला लेना चाहती थी. उसी ट्रिप में हम दोनों साथ में डिनर करने गए थे, जसराज जी शुद्ध शाकाहारी थे, वे स्वास्थ्य कारणों से मुझे भी शाकाहारी बनने का अनुरोध करते रहे. मैं हमेशा उनके बचपना को याद करूंगी.

आपको बता दें सलमान खान आने वाले दिनों में फिल्म राधे योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' की शूटिंग खत्म करेंगे. हाल ही में जैकलीन के साथ उनका गाना 'तेरे बिना' भी रिलीज हुआ था जिसे लोगों ने काफी पसंद किया.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक विदेशमंत्री कुरैशी ने इमरान के प्रमुख सचिव को जड़ा थप्पड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी अपनी विवादित बयानबाजी को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। उनके बड़बोले के कारण ही सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्तों में तल्खी बढ़ गई है और इसका खमियाजा भी पाक को भुगतना पड़ रहा है। कुरैशी एक बार फिर अपनी हरकत के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। इस बार उन्होंने प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रमुख सचिव आजम खान को थप्पड़ जड़कर चर्चा में हैं। पाकिस्तानी न्यूज चैनल 'बोल न्यूज' के अनुसार, कुरैशी और आजम खान के बीच पहले कुछ देर तक तीखी बहसबाजी हुई जिसके बाद कुरैशी ने खान को थप्पड़ रसीद कर दिया। बताया जा रहा है कि कुरैशी प्रधानमंत्री से मिलना चाहते थे और इसी बात को लेकर उनका आजम खान से विवाद हुआ जिससे नाराज कुरैशी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक कुरैशी इमरान खान से मिलना चाहते थे। जब इमरान के प्रमुख सचिव आजम खान ने उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर ही रोक दिया, तो वह आगबबुला हो गए। आजम खान ने कुरैशी से कहा कि पीएम जरूरी बैठक कर रहे हैं इसलिए आप बाद में मिलें, लेकिन कुरैशी उसी वक्त मिलने पर अड़े रहे। कुछ देर तक दोनों के बीच तीखी बहस होती रही और फिर कुरैशी ने प्रमुख सचिव को सबके सामने थप्पड़ रसीद कर दिया। घटना प्रधानमंत्री सचिवालय में हुई। कुरैशी ने इस संबंध में प्रधानमंत्री इमरान खान से शिकायत भी की है। इस घटना को लेकर अधिकारियों में नाराजगी है। गौरतलब है कि कुरैशी की बयानबाजी के चलते ही पाकिस्तान को सऊदी अरब की नाराजगी झेलनी पड़ रही है. कुरैशी ने कश्मीर पर हस्तक्षेप नहीं करने को लेकर सऊदी अरब को निशाना बनाया था, जिसके बाद से ही सऊदी अरब पाकिस्तान से खफा है और अब उन्होंने अधिकारी को सबके सामने थप्पड़ मारकर सरकार के लिए एक नई परेशानी को जन्म दे दिया है।

मॉरीशस तेल रिसाव मामले में जहाज का भारतीय कप्तान गिरफ्तार

पोर्ट लुईस। मॉरीशस में जहाज से तेल रिसाव मामले में अधिकारियों ने मंगलवार को जापानी स्वामित्व जहाज के एक भारतीय कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया। ये वही जहाज है जिससे तेल रिसाव के बाद देश में पर्यावरणीय आपातकाल घोषित किया गया । 25 जुलाई को जहाज यहां के कोरल रीफ के पास पहुंचा था। उस दौरान शुरू हुए तेल रिसाव ने वहां मौजूद सैलानियों में खौफ था। हालांकि अधिकारी अभी ये खुलासा नहीं कर पाए हैं कि आखिर सिंगापुर से ब्राजील जा रहा जहाज, इस समुद्री आइसलैंड के इतने करीब कैसे पहुंच गया। पुलिस अधिकारियों ने जहाज के भारतीय कप्तान और उनके मातहत डिप्टी कप्तान को गिरफ्तार करने की पुष्टि करते हुए उन्हों अदालत में पेश करने की जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और बुधवार से बाकी क्रू मेंबर्स से भी पूछताछ होगी। गौरतलब है कि फ्रांस के विशेषज्ञ मदद में जुटे हुए हैं। वहीं मॉरिशस की मदद कर रही जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेंसी के मुताबिक तेल रिसाव की बड़ी मात्रा को हटा लिया गया है और अब बेहद कम ईंधन ही समुद्री किनारे पर बचा है। सोमवार को ही जापान ने यहां अपने विशेषज्ञों की 7 सदस्यीय दूसरी टीम भेजने का ऐलान किया था। नई टीम में टोक्यो की एक एक्सपर्ट कंपनी के 6 सदस्य आज

मॉरिशस रवाना होंगे जो इस काम में माहिर है। जहाज के भारतीय कप्तान और उनके श्रीलंकाई डिप्टी पर पाइरेसी और समुद्री कानूनों के उल्लंघन के तहत गिरफ्तार किया है। अदालत में मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

पाकिस्तानः सिंध में राज्य प्रयोजित आतंकवाद और क्रूरता के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

पेशावर। पाकिस्तान में सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। सिंध प्रांत के शहीद बेनजीर अबद जिला स्थित काजी अहमद शहर में बड़ी संख्या में लोगों ने राज्य प्रायोजित आतंकवाद और सेना तथा खुफिया एजेंसियों द्वारा लोगों को गायब किए जाने के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने सिंध प्रांत में राज्य प्रायोजित आतंकवाद बंद करो, तानाशाही खत्म करो बर्बरता बंद करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारी सिंध प्रांत के राजनीतिक कार्यकर्ताओं को छोड़ने की मांग कर रहे थे। इनमें बड़ी संख्या में वे लोग भी शामिल थे, जिनके परिजन को गायब कर दिया गया है।

सिंध नेशनल वॉयस ने गायब किए गए लोगों की सूची जारी की है, जिनमें नवाब महर, असलम मेहारी, एजाज गाहो व हाफिज पीरजादा शामिल हैं। ल अरबिया की रिपोर्ट के अनुसार, सिंध में राजनीतिक आतंकवाद, फासीवाद और क्रूरता बंद करो नारेबाजी की गई ।

अमेरिका का चीन को नया झटका, हांगकांग के साथ 3 प्रमुख समझौते किए समाप्त

न्यूयार्क। चीन की हरकतों से चिढ़ा अमेरिका लगातार ड्रेगन के खिलाफ कड़े कदम उठा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को नया झटका देते हुए हांगकांग के साथ तीन महत्वपूर्ण समझौतों को खत्म कर दिया है। दरअसल अमेरिका कोरोना वायरस, ट्रेड और हांगकांग में नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद से ही चीन से नाराज है। बुधवार को ट्रंप प्रशासन ने हांगकांग के साथ तीन द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित या रद्द कर दिया। इसमें प्रत्यर्पण और कर छूट भी शामिल है। अमेरिका ने साफ तौर पर कहा है कि चीन ने एशिया के ट्रेडिंग हब की स्वायत्तता और लोकतांत्रिक आजादी पर अंकुश लगाने के लिए नया कानून थोपा है। एक महीने पहले ट्रंप ने अमेरिका के साथ हांगकांग के विशेष दर्जे को खत्म कर दिया था और और वगां राजनीतिक असंतुष्टों पर कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार चीनी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए थे। विदेश विभाग की प्रवक्ता मॉर्गन ऑर्टागस ने कहा, %हमने 19 अगस्त को तीन द्विपक्षीय समझौतों के निलंबन या समाप्त करने के फैसले के बारे में हांगकांग के अधिकारियों को सूचित कर दिया है। इन समझौतों में भगोड़े अपराधियों का आत्मसमर्पण, सजा पाए लोगों का स्थानांतरण और जहाजों के अंतरराष्ट्रीय संचालन से प्राप्त आय पर पारस्परिक कर छूट देना शामिल है। प्रवक्ता ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने स्वायत्तता को खत्म करने के लिए कठोर कदम उठाए हैं, जिसका बीजिंग ने यूएन में पंजीकृत चीन-ब्रिटिश संयुक्त घोषणापत्र के तहत युनाइटेड किंगडम और हांगकांग के लोगों से 50 साल के लिए वादा किया था। मॉर्गन ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा है ।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 अस्थायी समस्या है, अकादमिक अनिश्चितता से घबराएं नहीं: अमेरिका में भारत के राजदूत

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने यहां भारतीय छात्रों को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि अकादमिक सत्रों की अनिश्चितता को लेकर परेशान न हों क्योंकि कोविड-19 महामारी एक अस्थायी संकट है। संधू ने डिजिटल माध्यम से 50 से अधिक छात्रों को संबोधित किया और कहा कि परेशान होने की बजाय उन्हें इस प्रकार की अप्रत्याशित स्थिति से और ज्यादा कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और आत्मनिर्भर, आधुनिक, संपन्न तथा खुशहाल भारत बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। संधू ने कहा, भारत और अमेरिका में अकादमिक सत्र के प्रति अनिश्चितता और शिक्षण के नए तौर तरीके भारी भरकम लग सकते हैं। लेकिन पुरानी कहावत याद रखें कि कठिन समय ज्यादा दिनों तक नहीं रहता लेकिन लोग रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनौतियां अस्थायी हैं और इनसे डर कर सपनों को सच करने के प्रयास नहीं छोड़ने चाहिए। संधू ने कहा, हमें इस अप्रत्याशित समय से अधिक परिश्रम करने की प्रेरणा लेनी चाहिए और आत्मनिर्भर, आधुनिक, सम्पन्न और खुशहाल भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। हमारे पास सैकड़ों चुनौतियों का समाधान निकालने की क्षमता है। महामारी से मुकाबला करने में हमारे देश की दृढ़ता से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 513 नए मामले: मंत्रालय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 513 नए मामले सामने आए जिसके बाद देश में कोविड-19 महामारी के कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 2,90,958 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, पिछले चौबीस घंटे में कोविड-19 से आठ मरीजों की मौत हो गई जिसके बाद महामारी से मरने वालों की संख्या 6,209 पर पहुंच गई। मंत्रालय ने कहा कि अब तक कोविड-19 के 2,72,804 मरीज ठीक हो चुके हैं और 725 मरीजों की हालत नाजुक है। देश में संक्रमण के कुल मामलों में से सिंध में 1,27,060, पंजाब में 95,800, खैबर पख्तूनख्वा में 35,468, इस्लामाबाद में 15,425, बलूचिस्तान में 12,403 और गिलगित बल्तिस्तान में 2,583 मामले सामने आ चुके हैं।

ट्रंप ने कहा- मुझे पुरानी जिंदगी पसंद थी,ओबामा की वजह से मैं राष्ट्रपति बना

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस लिए राजनीति में आए और राष्ट्रपति चुने गए क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अच्छा काम नहीं किया था। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, '' मुझे मेरी पुरानी जिंदगी काफी पसंद थी। लेकिन ओबामा और बाइडेन ने काफी खराब काम किए और इसलिए मैं आज आपके सामने राष्ट्रपति के तौर पर खड़ा हूं। ट्रंप ने कहा, '' राष्ट्रपति ओबामा ने अच्छा काम नहीं किया। मैं यहां राष्ट्रपति ओबामा और जो बाइडेन की वजह से ही हूं, क्योंकि अगर उन्होंने अच्छा काम किया होता तो मैं यहां नहीं होता। अगर उन्होंने अच्छा काम किया होता तो शायद मैं चुनाव भी नहीं लड़ता। गौरतलब है कि ओबामा प्रशासन में जो बाइडेन उप राष्ट्रपति थे, जो इस साल नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट की ओर से ट्रम्प को चुनौती दे रहे हैं।

'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' में हिंदू प्रतिनिधिमंडल के लिए प्रार्थना तथा ध्यान सत्र का आयोजन

वाशिंगटन। 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' में बुधवार को कार्यक्रम में शामिल हुए हिंदू प्रतिनिधिमंडल और अन्य सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन प्रार्थना तथा ध्यान सत्र आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की उपाध्यक्ष अनुरिमा भार्गव, भारतीय शास्त्रीय गायिका एवं 'साउथ एशियन फॉर बाइडेन' की स्टेट निदेशक हरिनी कृष्णन, 'साउथ एशियन फॉर बाइडेन' के स्टेट निदेशक तथा समुदायिक नेता नील गोनुगुंटला तथा एएपीआई फेद लीडरशीप एंड आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक अजय तेजस्वी ने इस सत्र का नेतृत्व किया। 'साउथ एशियन फॉर बाइडेन' के प्रचार दल एवं समुदाय के नेता मुरली बालाजी तथा एएपीआई लीडरशीप काउंसिल फॉर बाइडेन एवं नेशनल फाइनेंस कमेटी के सदस्य अजय भुटोरिया ने भी प्रार्थना सत्र का नेतृत्व किया। तेजस्वी ने कहा, '' ध्यान लगाना मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी आवश्यक हो गया है। आधुनिक जीवन में हमारे समक्ष कई चुनौतियां पेश होती हैं, इसलिए जीवन में सफल होने के लिए शांत रहना और अपने विचारों को लेकर स्पष्ट होना जरूरी है।''वहीं भुटोरिया ने इस दौरान डेमोक्रेट की ओर से राष्ट्रपति पद कमला हैरिस की जीत की कामना की। भुटोरिया ने कहा, '' मैं भगवान गणेश और हनुमान जी से प्रार्थना करता हूं कि जो बाइडेन और कमला हैरिस की जीत की राह में आने वाले हर अवरोध को दूर करें।''

18वीं मंजिल से गिरा 4 साल का बच्चा

इंटरनेशनल डेस्क। जिसे भगवान बचाना चाहते हों उसे दुनिया की फिर कोई कायनात नहीं मार सकती क्योंकि उसके सिर पर उस ईश्वर का हाथ होता है। कुछ ऐसा हुआ चार के एक बच्चे के साथ। बच्चा 18वीं मंजिल स्थित अपने फ्लैट की खिड़की से नीचे गिर पड़ा लेकिन एक चमत्कार तरीके से वह बच गया। घटना चीन के हुबेई प्रांत के शियांगयांग शहर की 6 अगस्त की है। यहां बच्चा अपने फ्लैट में अकेला था, उसके माता-पिता घर पर नहीं थे। खेलते-खेलते बच्चा सोफे पर चढ़ा और खिड़की के पास आ गया और 180 फीट नीचे गिर पड़ा। डेली मेल की खबर के मुताबिक डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा एक पेड़ पर गिरने की वजह से बच गया, हालांकि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चा अभी अस्पताल में आईसीयू में है और उसका इलाज चल रहा है। बच्चे की हालत स्थिर बनी हुई है। बच्चा घर पर अपनी दादी के साथ रहता है क्योंकि उसके माता-पिता दूसरे शहर में नौकरी करते हैं। जिस समय बच्चा गिरा वो घर पर अकेला था और उसकी दादी राशन लेने गई थी। बच्चा खेलते-खेलते खिड़की से नीचे गिरा। तभी वहां मौजूद कुछ लोगों ने यह देख लिया और झट से बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। पोते के घायल होने पर दादी एक दम से सन्न हो गई थी। वहीं बच्चे का इलाज करने वाले डॉक्टर ने कहा कि यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि बच्चा 18वीं मंजिल से गिरने के बाद बच गया।

अमेरिका में आग से 1.2 लाख एकड़ जंगल तबाह; एमरजैंसी घोषित, अगले 48 घंटे चुनौतीपूर्ण

लॉस एंजलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग काफी तेजी से फैल रही है। इसे 'एप्पल फायर' नाम दिया गया है। अब तक इसने 1.2 लाख एकड़ जंगलों को तबाह कर दिया है । इससे कई इलाकों में तापमान बढ़ रहा है। फायर डिपार्टमेंट ने लोगों को सुरक्षित जगह जाने का आदेश दिया है। अब तक हजारों लोग घर छोड़कर जा चुके हैं। कैलिफोर्निया के दक्षिणी इलाके पर इसका ज्यादा असर हुआ है। जानकारी के अनुसार कैलिफोर्निया प्रांत में पिछले 48 घंटें में 46 हज़ार एकड़ में आग फैल गई है। आग ने अब कांउटी और वैकलटी इलाकों को भी चपेट में ले लिया है। यहां रहने वाले एक लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़ने के लिए कहा गया है। क्षेत्र में दर्जनों घर और मोबाइल होम पूरी तरह जल चुके हैं। इसके बाद गवर्नर गौविन न्यूसम ने राज्य में इमरजेंसी घोषित कर दी है। उन्होंने लोगों से कहा है कि अगले 48 घंटे चुनौतीपूर्ण है। उधर लॉस एंजेलिस से 15 लाख लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ रहा है। फारौस्टी और फायर प्रटेकोशन विभाग के मुताबिक इस साल यहां जंगलों में आग की 5672 घटनाएं हुई है जिसमें 2.04 लाख एकड़ जंगल तबाह चुका है। फायर डिपार्टमेंट की टीम आग पर काबू पाने में जुटा है। 1500 से ज्यादा फायर फाइटर्स को इस काम में लगाया गया है। आग बुझाने में हेलिकॉप्टर्स और वॉटर डंपिंग प्लेन्स की मदद ली जा रही है। आग पहाड़ी इलाकों में फैलने की वजह से इसे बुझाने में फायर फाइटर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। बता दें कि अमेरिका के दूसरे इलाकों की तुलना में कैलिफोर्निया गर्म है। यही वजह है कि यहां पर गर्मी के मौसम में अक्सर जंगलों में आग लग जाती है। यह सिलसिला बारिश का मौसम आने तक जारी रहता है। हालांकि, बीते कुछ सालों में आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। कैलिफोर्निया में जंगलों के पास रिहायशी इलाके बढ़े हैं। ऐसे में आग लगने पर नुकसान ज्यादा होता है। इसे देखते हुए फायर डिपार्टमेंट कुछ ऐसे इलाकों की पहचान भी की है, जहां आग लगने का खतरा ज्यादा है। 2019 में लगी थी 85 साल की सबसे भीषण आग अमेरिका के कैलिफोर्निया के जंगलों में 2019 में 85 साल की सबसे भीषण आग लगी थी।

इसकी चपेट में आकर 31 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। सैकड़ों लोग लोग लापता हुए थे। 1933 में लॉस एंजिल्स के ग्रिफिथ पार्क में लगी आग के बाद यह कैलिफोर्निया के जंगल में लगी सबसे बड़ी आग थी। इससे करीब 83 हजार एकड़ के इलाके में आग लगी थी। करीब 3 लाख लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरे शहरों में जाना पड़ा था।

चीन के खिलाफ घर में ही बगावत तेज, शिंजियांग ने आजादी के लिए दुनिया से मांगी मदद

बीजिंग। चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ दुनिया में ही नहीं बल्कि अपने देश में भी बगावत की चिंगारी भड़क रही है। चीन के शिंजियांग प्रान्त में स्वतंत्रता की मांग तेज होती जा रही है। चीन का शिकार केवल तिब्बत ही नहीं मध्य एशिया का एक भाग पूर्वी तुर्किस्तान भी हुआ। 1949 में चीन द्वारा आक्रमण के बाद यह अपनी स्वतंत्रता गवां बैठा और आज चीन के शिंजियांग प्रान्त के रूप में जाना जाता है। आज के शिंजियांग में समय-समय पर चीन से स्वतंत्रता के लिए संघर्ष हो रहा है। 1990 के दशक में, सोवियत संघ के टूटने के बाद मध्य एशिया में तुर्किस्तान, कजाकिस्तान आदि स्वतन्त्र देशों का अस्तित्व बना, तब चीन के शिंजियांग में पूर्वी तुर्किस्तान की स्वतंत्रता की मांग उठी जिसे चीन ने दबा दिया। चीन के खिलाफ बढ़ते गुस्से के बीच स्वतंत्र पूर्वी तुर्किस्तान की, अमेरिका स्थित निष्काषित सरकार के प्रधानमंत्री साहिल हदयार ने दुनिया के देशों से अपने देश की स्वतंत्रता की मांग उठाई है। साहिल हदयार का कहना है कि शिंजियांग (पूर्वी तुर्किस्तान) के लोगों की स्वतंत्रता की चाह साफ़ दिख रही है। शिंजियांग के लोग चीन के अत्याचारों और दमन से तंग आ चुके हैं इसलिए उनको चीन के कब्जे से आजाद कराने के लिए दुनिया को आवाज उठानी चाहिए बता दें की यह पहला मौका नहीं है जब चीन के शिंजियांग प्रान्त में स्वतंत्रता की मांग उठी है। वस्तुतः इस इलाके में रहने वाले उइगर मुसलमानों के साथ नस्लीय भेदभाव और उनका धार्मिक उत्पीड़न बहुत पुराना है। वर्ष 2009 में यहां बड़ी मात्रा में दंगे हुए थे, जिसमें उइगर मुसलमानो की बड़ी संख्या हत्या हुई थी। इसके बाद वहां सरकारी दमन अपने चरम पर है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले चार वर्षों में चीन की सरकार ने शिनजियांग के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में जहां उइगर मुसलमान रहते हैं वहाँ इस प्रकार का अत्याचार किया है जिसे कुछ विशेषज्ञ एक तरह से जनसांख्यिकीय नरसंहार तक कह चुके हैं।

लेकिन कोरोना के फैलाव और अमेरिका-चीन के बीच चल रहे शीतयुद्ध ने यहाँ के लोगों को अपनी आजादी की मांग उठाने का सही अवसर दिया है। पूर्वी तुर्किस्तान की निष्काषित सरकार जानती है कि एशियाई शक्तियों में केवल भारत ही है जो चीन का मुकाबला कर सकता है। भारत ने हाल ही में चीन को गलवान की घटना के बाद जिस तरह से चीन को मुहतोड़ जवाब दिया है उसके बाद भारत की शक्ति के प्रति विश्वास बढ़ा है। यही कारण है कि पूर्वी तुर्किस्तान के प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के लोगो से शिंजियांग को आजाद कराने की भावनात्मक अपील तक कर दी । गौरतलब है कि अमेरिका ने पूर्वी तुर्किस्तान के मुद्दे को लेकर चीन के शीर्षस्थ अधिकारियों पर प्रतिबन्ध लगाया है। सचिव ने बयान देते हुए कहा था कि भारत यदि पूर्वी तुर्किस्तान और तिब्बत के लिए और मुखर होता है ।

बाइडेन और डेमोक्रेटिक पार्टी के अन्य नेताओं ने हैरिस की प्रशंसा की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन और अन्य शीर्ष नेताओं ने पार्टी की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस शीर्ष पद के लिए एक ''अद्भुत'' व्यक्ति होंगी क्योंकि वह लोकतंत्र की परवाह करती हैं और न्याय तथा समता की पक्षधर हैं। भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार कर ली है और इसी के साथ वह किसी प्रमुख राजनीतिक पार्टी से इस अहम राष्ट्रीय पद का टिकट पाने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी और पहली काली महिला बन गई हैं। पार्टी के डिजिटल तरीके से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान हैरिस के अपने स्वीकृति भाषण (ऐक्सेप्टेंस स्पीच) देने के तुरंत बाद पूर्व उपराष्ट्रपति बाइडेन ने ट्वीट किया, ''कमला हैरिस एक अद्भुत उपराष्ट्रपति होंगी। अब चलो काम पर लग जाओ। हमारे पास गंवाने के लिए एक मिनट भी नहीं है।'' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने भाषण में कहा कि बाइडेन ने एक आदर्श साथी को चुना है जो इस कार्य के लिए पूरी तैयार है। अब चलो काम पर लग जाओ। हमारे पास गंवाने के लिए एक मिनट भी नहीं है।'' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने भाषण में कहा कि बाइडेन ने एक आदर्श साथी को चुना है जो इस कार्य के लिए पूरी तैयार है। उन्होंने कहा, ''जो मुझे कमला के बारे में पता है, वह यह है कि वह वास्तव में हर अमेरिकी की परवाह करती हैं और वह इस लोकतंत्र की चिंता करती हैं। उनका मानना है कि लोकतंत्र में, वोट देने का अधिकार पवित्र है और हमें लोगों के लिए अपने वोट को डालना आसान बनाना चाहिए, न कि कठिन।''

कमला हैरिस ने उप राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार करके रचा इतिहास

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार कर ली है और इसी के साथ वह किसी प्रमुख राजनीतिक पार्टी से इस अहम राष्ट्रीय पद का टिकट पाने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी और पहली काली महिला बन गई हैं। हैरिस ने इस दौरान अपनी मां को याद किया, जिन्होंने उनमें दूसरों के प्रति करुणा और सेवा भाव रखने जैसे गुण विकसित किए और इन्हीं गुणों ने हैरिस को एक मजबूत काली महिला बनने और अपनी भारतीय विरासत पर गर्व महसूस करने में मदद की। हैरिस (55) को बुधवार को पार्टी के डिजिटल तरीके से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित किया गया था। हैरिस ने अपने स्वीकृति भाषण (ऐक्सेप्टेंस स्पीच) की शुरूआत में अपनी दिवंगत मां श्यामला गोपालन को याद किया और कहा कि वह आज अपनी बेटी की उपलब्धियों को देखने के लिए यहां नहीं हैं। हैरिस ने कहा, ''मेरी मां ने मुझे सिखाया था कि दूसरों की सेवा जीवन को एक मकसद देता है, अर्थ देता है। काश आज वह यहां होतीं, लेकिन मुझे पता है कि वह ऊपर से मुझे देख रही हैं।'' कमला हैरिस की मां का 2009 में कैंसर से निधन हो गया था। उन्होंने कहा,'' मेरी मां ने मेरी बहन माया और मुझे उन मूल्यों के लिए प्रेरित किया जो हमारे जीवन की दिशा तय करेंगे। उन्होंने हमें गर्वीली काली महिला के तौर पर बढ़ने में मदद की और उन्होंने हमें अपनी भारतीय विरासत के बारे में जानने और उस पर गर्व करना सिखाया।'' हैरिस ने इस दौरान तमिल में कहा मेरे चाचा, मेरे चाचीयों - मेरी चिठ्ठियां उन्होंने उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए अपने भाषण में उन काली महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जो उनसे पहले आईं और जिन्होंने देश के लिए लड़ने का प्रण किया था। हैरिस ने कहा,'' चलिए दृढ़ विश्वास के साथ लड़ें, उम्मीद के साथ लड़ें, अपने ऊपर भरोसा रखते हुए और एक दूसरे के लिए प्रतिबद्धता के साथ लड़ें।'' हैरिस ने कहा कि वह अपनी मां के सहारे यहां तक पहुंची हैं, '' एक महिला जो 19 वर्ष की आयु में कैंसर का उपचार ढूंढने का सपना लेकर भारत से यहां आई थीं। बर्कले के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में उनकी मुलाकात मेरे पिता से हुई - जो अर्थशास्त्र की पढ़ाई करने जमैका से आए थे।'' हैरिस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर विफल नेतृत्व का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि रिपब्लिकल पार्टी के नेता '' हमारी मुश्किलों को राजनीतिक हथियार बना लेते हैं।'' हैरिस ने कहा, ''डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व की विफलताओं ने लोगों की जिंदगियों को और उनकी आजीविकाओं को नुकसान पहुंचाया है।''

श्रीराम मंदिर के निर्माण में नहीं होगा लोहे का प्रयोग

लखनऊ (एजेसी)। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण प्राचीन पद्धति से किया जाएगा जिसमें लोहे का प्रयोग नहीं होगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने ट्वीट कर गुरूवार को जानकारी दी कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का काम शुरू हो गया है जिसे पूरा होने में 36 से 40 महीने का समय लगने का अनुमान है। श्री राम मंदिर भारत की प्राचीन निर्माण पद्धति से किया जायेगा जिसमें लोहे का प्रयोग नहीं किया जाएगा। भव्य मंदिर की आयु हजारों साल की होगी और इसे भूकंप समेत अन्य प्राकृतिक आपदा से कोई नुकसान नहीं होगा। मंदिर निर्माण के लिए खुलकर दान देने की अपील करते हुए कहा गया है कि राम मंदिर निर्माण के लिये रामभक्तों ने अपने खजाने खोल दिए हैं। कोई नगद दान दे रहा है तो कोई चांदी और सोना दे रहा है। इसी तर्ज पर इंदौर के एक व्यवसायी ने मंदिर निर्माण के लिए पोकलैंड मशीन अयोध्या भेजी है। मशीन रामजन्मभूमि पहुंच गई है जिसका उपयोग मंदिर निर्माण के लिए किया जाएगा। ट्वीट में लिखा है ''श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण हेतु कार्य प्रारंभ। मंदिर निर्माण के कार्य में लगभग 36–40 महीने का समय लगने का अनुमान। श्री राम मंदिर भारत की प्राचीन निर्माण पद्धति से किया जाएगा जिसमें लोहे का प्रयोग नहीं किया जाएगा।''

याद हो कि पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर का भूमि पूजन किया था जिसके बाद से मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मंदिर निर्माण में सहयोग करने की अपील की है।

स्वच्छता सर्वेक्षण–2020 में यूपी ने जीते सबसे ज्यादा 19 पुरस्कार

2018 में 3 निकायों और 2019 में 14 निकायों को मिला था ये सम्मान

लखनऊ(एजेसी)। अखिल भ. ारतीय स्तर पर कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण–2020 में उत्तर प्रदेश के 19 निकायों ने विभिन्न श्रेणियों में देश के दूसरे निकायों को पीछे छोड़ते हुए सम्मान हासिल किया है। इस उपलब्धि के साथ ही उत्तर प्रदेश स्वच्छ सर्वेक्षण–2020 में देश में सबसे ज्यादा पुरस्कार पाने वाला राज्य बना है। वहीं टॉप 12 अवॉर्ड में से 2 पर यूपी काबिज हुआ है। अवार्ड का कार्यक्रम आज 20 अगस्त को 11 बजे वर्चुअल शुरू हुआ। इसमें हरदीप पुरी, मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन से जुड़े फिरोजाबाद नगर में कार्य कर रहे स्वयं सहायता समह के प्रतिनिधियों से बातचीत भी की गई। इसमें देश के 12 स्वच्छ शहरों को पुरस्कृत किया गया। इसमें यूपी से 2 नगर निगम, वाराणसी और शाहजहांपुर को ये सम्मान मिला। वहीं बाकी 17 निकायों में लखनऊ, फिरोज. ाबाद, कन्नौज, चुनार, गंगाघाट, आवागढ़, मेरठ कैंट, गजरौला, मुरादनगर, स्याना, पलियाकलां, मल्लावां, बरुआसागर, बकेवर, बलदेव, अछलदा और मथुरा कैंट को पुरस्कार मिला।

इससे पहले 2018 में यूपी से 3 निकायों और 2019 में 14 निकायों को ये सम्मान मिला था। अब ये संख्या बढ़कर 19 हो गई है। यूपी में व्यक्तिगत शौचालयों का लक्ष्य शत–प्रतिशत पूर्ण करने का दावा सरकार ने किया है। वहीं लगभग 60 हजार सीटों के सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया है। प्रदेश के सभी निकाय खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं। इसके अलावा पुरस्कार समारोह में स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 परिणाम डैश बोर्ड का लोकार्पण भी किया गया। 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगरों की श्रेणी में प्रदेश के कई शहरों ने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

जब गोरखपुर की एक छात्रा की चिट्ठी पढ़कर सीएम योगी ने देर रात खुलवा दिया दफ्तर

हृदय के खराब वाल्व के इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मंजूर किए 9.90 लाख रुपए

लखनऊ(एजेसी)। अपने सख्त रवैये के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर की एक बीमार छात्रा की चिट्ठी पर देर रात अपना दफ्तर खुलवा दिया। गोरखपुर के कैम्पियरगंज के मछलीगांव की रहने वाली छात्रा मधुलिका मिश्रा के हृदय के दोनों वाल्व खराब हैं। इलाज के लिए 9.90 लाख रुपये का खर्च आने की बात पत्र में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पता चली तो उन्होंने तुरंत मुख्यमंत्री विवेकाध ीन कोष से इसकी स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू कर दी।

सीएम योगी के निर्देश पर बीजेपी के 2 कार्यकर्ता छात्रा के घर गए और वहां से पूरा इस्टीमेट लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा। कागज पहुंचते ही मुख्यमंत्री ने पैसों का इंतजाम करते हुए छात्रा के पिता को खुद चिट्ठी लिखकर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने चिट्ठी में लिखा कि मुझे यह समाचार प्राप्त हुआ कि आपकी पुत्री कुमारी कुमारी मधुलिका मिश्रा के हृदय के दोनों वाल्व खराब हो गए हैं, जिसकी शल्य चिकित्सा होनी है, किन्तु ध नाभाव के कारण वह सम्भव नहीं हो पा रही है। आपको अवगत कराना है कि आपकी पुत्री बीएड छात्रा कुमारी मधुलिका मिश्रा के हृदय की शल्य चिकित्सा हेतु मेदान्ता अस्पताल द्वारा प्रदत्त इस्टीमेट के अनुरूप कुल धनराशि 9.90 लाख रुपये मुख्यमंत्री विवेकाध ीनकोष से स्वीकृत की गई है। आशा है कि इस धनराशि से उसकी शल्य चिकित्सा सकुशल सम्पन्न होगी और वह शीघ्र ही स्वस्थ होकर अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकेगी। मेदांता अस्पताल ने छात्रा मधुलिका मिश्रा के वॉल्व बदलने के लिए 9.90 लाख रुपये के इंतजाम करने के साथ ही 24 अगस्त को ऑपरेशन करने की डेट दे दी। मधुलिका के पिता एक किसान हैं। बेटी बीमार हुई तो उसके इलाज में जो पैसा था, उसे खर्च कर दिया धीरे–धीरे आर्थिक स्थिति जवाब देने लगी। तब मधुलिका ने सीएम और पीएम से मदद की गुहार लगाई थी। मध ुलिका की मां की बचपन में ही मौत हो चुकी है।

श्री सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी मंदिर के बंद होने के बावजूद श्रद्धालु दर्शन पूजन करने आ रहे हैं।

ब्यूरो चीफ विजय तिवारी

सीतामढ़ीः भदोही जनपद के श्री सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी मंदिर बंद होने के बावजूद मां वैदेही के भक्त दर्शन पूजन करने आ रहे है। बतादें सीतामढ़ी ध ार्मिक एवं पौराणिक स्थली श्री सीता समाहित स्थल मंदिर को बंद होने से दुकानदारों के रोजी रोटी का संकट बढ़ गया था। वही मां वैदेही का दर्शन करने भक्तों को आता देख अब दुकानें भी खुलने लगी हैं।

वहीं दुकानदारों के ऊपर जो रोजी रोटी का खतरा मंडरा रहा था। उसमें अब काफी राहत देखने को मिल रही है। वैश्विक महामारी करोना वायरस के कारण पूर्व से ही मंदिर बंद कर दिया गया था। अगस्त माह से खोलने की घोषणा की गई थी।

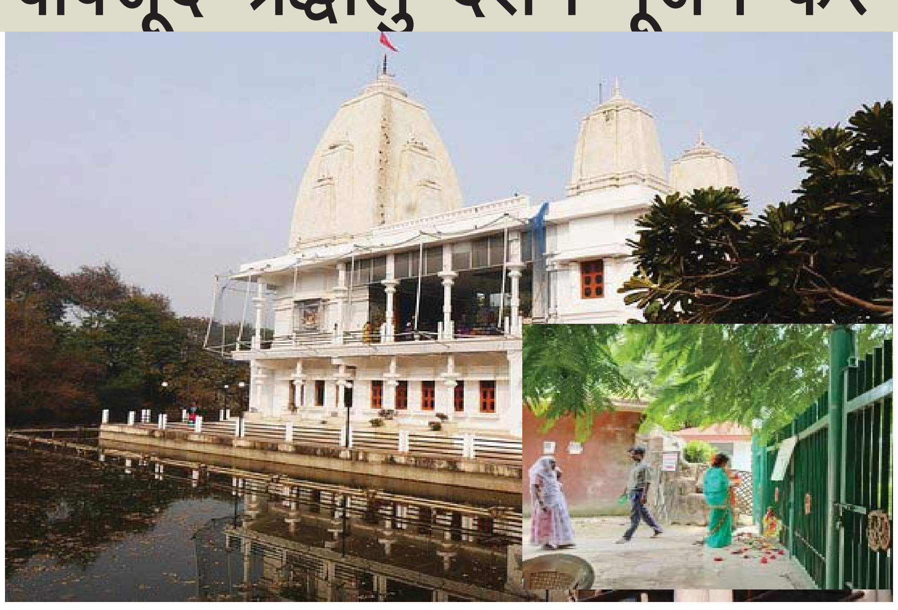

लेकिन कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए।पुनः श्री सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी मंदिर व हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं मंदिर बंद होने के बावजूद श्रद्धालुं आ रहे हैं।

और मंदिर के बाहर से ही मां वैदेही का दर्शन पूजन करते भक्तों को देखा जा रहा है। वहीं दुकानदारों का कहना है कि हम लोग अपनी दुकानें खोल रहे हैं। और इस समय धीरे धीरे जगत जननी माँ जानकी के भक्त दर्शन पूजन करने आ रहे हैं।

जिसको देखकर दुकानदारों में आशा की किरण जगी है। हालांकि महर्षि वाल्मीकि आश्रम एवं लवकुश कुमारों की जन्मस्थली एवं मां जानकी मंदिर, दवासा नाथ शिव मंदिर, व नौनी बाबा आश्रम खुला हुआ है। और यहां पर सामाजिक दूरी बनाकर दर्शन पूजन कराया जा रहा है।

कीचड़ से भरी है नालियां सड़क किनारे लह लहा रही घास

देवेश मिश्रा ब्यूरो–लखीमपुर

सरकार भले ही स्वच्छ भारत बनाने के कितने ही प्रयास क्यों न कर ले लेकिन उसी सरकार के कुछ कर्मचारी इसे कमजोर करने की पुरजोर कोशिश में लगे हुए हैं। इसी श्रेणी में आता है सफाई विभाग।विकास खंड पसगवां खेरी के सफाईकर्मी सिर्फ बैठने की तनख्वाह लेना पसंद करते हैं।जिनमें एक हैं सफाईकर्मी सत्त्यपाल।

लखीमपुर खीरी की तहसील मोहम्मदी के ब्लाक पसगवां अन्तर्गत आता है ग्राम जमुका।जहां पर सत्त्यपाल नामक सफाईकर्मी नियुक्त है।वैसे तो यहां नालियों व सड़कों की महीनों सफाई ही नहीं होती है।

हां मासिक या त्रैमासिक सफा. ईकर्मी सत्त्यापाल एक या दो किराए के मजदूर लाकर खानापूर्ति कर देता है।यह जो तस्वीर आप देख रहे हैं यह गांव के मुख्य मार्ग की नाली व सड़क की है।

जहां पर सड़क किनारे खड़ी घास और नाली से निकालकर लगाया हुआ कीचड़ लगा हुआ है।यह कीचड़ लगाए हुए आज कई दिन हो गए हैं।जिस पर अनेक प्रकार के रोगवाहक मच्छर आदि कीटाणु बैठ व पनप रहे हैं।

व बारिश होने पर धीरे–धीरे यह कीचड़ फिर वापस नाली में समा रहा है।इस हालात के चलते शाम के समय सड़क से आने–जाने वाले राहगीरों को सांप बिच्छू जैसे जहरीले जानवरों व कीड़ों का खतरा आए दिन बना रहता है।

सफाईकर्मी की ड्यूटी बस इतनी है कि महीने–दो–महीने में एकाध मजदूर लाकर खानापूर्ति कर देना और खुद इधर–उधर बैठकर गप्पें लड़ाना।

सवाल यह उठता है कि यदि यह हाल सिर्फ गांव के अंदर का होता तो और बात होती लेकिन यह तस्वीर तो गांव के मुख्य मार्ग की है जहां से विकास खंड पसगवां व तहसील स्तर के कर्मचारी–अधिकारी भी निकलते रहते हैं।सोचने वाली बात है कि क्या गांव का यह हाल किसी को नहीं दिखता।

पहले खंभे से बांधकर की पिटाई, फिर जबरन महिला की मांग में भरवाया सिंदूर

वीडियो वायरल होने के बाद महिला के बयान पर प्राथमिकी दर्ज, कार्रवाई में जुटी पुलिस

बेतिया(एजेसी)। मुफस्सिल थ. ाना क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने एक महिला पर अनैतिक संबंध का आरोप लगाकर पिलर से बांधकर जमकर पिटाई की। फिर पुलिस की मौजूदगी में एक ग्रिल मिस्त्री से जबरन उसकी मांग में सिंदूर भरवा दिया। महिला की पिटाई की वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महिला के बयान पर प्रा. थमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। थानाध्यक्ष उग्रनाथ झा ने बताया कि महिला के बयान पर चरगाहा निवासी विश्वनाथ यादव, सरोज ठाकुर, अर्जुन पटेल, मंटू पटेल व जितेंद्र यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस बयान में महिला ने बताया है कि विगत 8 जून को उसे खिड़की की मापी के लिए एक मिस्त्री को बुलाया था। इसी दौरान आरोपी आए और पकड़कर घसीटते हुए घर से बाहर ले गए। गलत आरोप लगाकर गाली गलौच की और एक मंदिर के पिलर से बांध दिया गया।

फिर लोहे के रॉड से पिटाई करने लगे। महिला ने बताया कि कपड़े फाड़ दिए जिससे वह अर्धनग्न हो गई।

आरोपियों ने जबरन मिस्त्री से उसके मांग में सिंदूर भरवा दिया। घर में भी लूटपाट की। आरोपियों के डर के कारण भाग कर वह अपनी मौसी के घर मोतिहारी चली गई।

जुआँ खेलने से मना करने पर दबंगों ने चलाई गोली फायरिंग में गायक व उसकी बेटी समेत कई ज़ख्मी

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्टःप्रकाश शुक्ला

बाँगरमऊ उन्नावरूरी सादिकपुर गांव में दबंग व्यक्ति ने कुछ अपने साथियों सहित भजन गायक पंडित।

रवि नादान को दिनदहाड़े गोली मारने की धमकी दी गई थी कुछ दिन पहले और आज उसे संज्ञान में ले लिया गया उनके घर पर दिनदहाड़े चढ़ाई कर दी, गोलियों की बौछार कर दी, जिसमें एक गोली, उनकी बेटी के भी लगी है।

जिसमें से रवि नादान बुरी तरह घायल हो गये हैं। दिनदहाड़े गोली चलने से क्षेत्र दहशत जुआ खेलने से मना करने, मपर फायरिंग मे युवक को गोली लगी।

जुआँ खेलने से मना करने पर दबंगों ने चलाई गोली ।फायरिंग में एक युवक समेत 4 ज़ख्मी ।लाठी और डंडों से मारपीट में चार लोगों की हालत गंभीर मौके, पर, पुलिस पहुँची ।फायरिंग में एक युवक समेत 4 लोगों को लगी गोली ।

4 घायलों को जिला अस्पताल किया गया रेफर ।जांच, में ।मौके पर कई लोग हुए घायल ।उनकी बेटी भी घायल बुरी तरह से घायल उनकी दो बेटियां है।

घायलों का सीएचसी बांगरमऊ में इलाज चल रहा बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के रूरी सादिकपुर गांव का मामला बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के रूरी सादिकपुर गांव का मामला।

सार–समाचार

विवाहिता की करंट से चिपक कर मौत

अलीगढ(एजेसी) इगलास क्षेत्र में विवाहिता की विद्युत करंट उतर आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस ने मृतका के षव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

गांव सेवनपुर निवासी नीरेश (21 वर्षीय) पत्नी सुनील बुधवार की रात्रि लोहे की गोदरेज की अलमारी से कपड़े निकाल रही थी।तभी अलमारी के पीछे से निकल रहे विद्युत तार चूहों ने काट दिया,जिसके चलते अलमारी में करंट आ गया।

जिसकी चपेट में आकर नीरेश की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मृतका के भाई रमाशंकर ने ससुराली जनों पर मारपीट करने के बाद करंट से चिपका कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के परिजनों की तहरीर पर पुलिस जांच में जुटी है।

स्वर्गीय राजीव गांधी जयंती पर चित्र पर माल्यार्पण किया गया

कानपुर महानगर बर्रा 2 वार्ड 51 के अंतर्गत वार्ड कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर संचार क्रांति के नायक भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण करके मनाई गई इस अवसर पर वार्ड अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि राजीव गांधी हमारे सबसे युवा प्रधानमंत्री थे उन्होंने हमें 18 साल का मताध िकार दिया था हम सब उनके आभारी हैं तथा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं इस अवसर पर मुख्य रूप से दिनेश पांडे अभिषेक मिश्रा पप्पू भदौरिया गुलाब सिंह नितिन अग्निहोत्री बिट्टू वाली कुलदीप पाल नसीम खान आदि लोग उपस्थित थे

जनता के लिए जनता द्वारा स्वच्छता का संकल्प

कानपुर–महापौर प्रमिला पांडे ने आज दिनांक 20–8–2019 को वार्ड 48 में डुगडुगी बजा नागरिकों को साफ–सफाई एवं कूड़ा कूड़ा गाड़ियों में डालने हेतु तथा अपने घर के आस–पास साफ–सफाई रखने की अपील की गयी।

कानपुर नशे के कारोबार का भंडाफोड़ कर कारोबार में लिप्त 04 अभियुक्तों को 27.5 कि0ग्रा0 गांजा, 2.96 कि0ग्रा0 चरस, 700 ग्राम नाजायज स्मैक, 6 अदद नशीला इंजेक्शन, 130 टेबलेट डायजापाम, और 11,15,665– रु0, 9 अदद मोबाइल फोन,एक स्कूटी व एक मोटरसाइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया।

कानपुर रोटरी क्लब कानपुर विनायक श्री द्वारा आज दिन. ांक 20/08/2020 को फायर स्टेशन उन्नाव के अग्निशमन अधिकारी श्री शिवदरस प्रसाद की उपस्थिति में कोरोना जैसी विश्वव्यापी महामारी से बचाव/इम्युनिटी बढाने के लिए 150 से अधिक पुलिस कर्मियों तथा उनके परिजनों को निशुल्क होम्योपैथी दवा तथा मास्क वितरित किये गये । क्लब के प्रिय सदस्य रो0डॉ हेमंत मोहन द्वारा इस बीमारी के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई,उनके द्वारा बताया गया कि इस दवा का सेवन करने से शरीर में एंटीबाडीज उत्पन्न होती है जो वैक्सीन का कार्य करती है । कार्यक्रम में उपस्थित प्रशांत शर्मा एवं सौरभ शर्मा द्वारा लोगों से सोशल डिस्टेन्सिग का पालन करने तथा मास्क का प्रयोग की सलाह दी गई ।

रो0सचिन दीक्षित द्वारा पुनः चिकित्सा शिविर लगवाने के लिए कहा गया । इस अवसर पर क्लब के सदस्य रो0आलोक गुप्ता, रो0अमरनाथ गुप्ता, रो0प्रभात बाजपेयी, रो0सचिन दीक्षित आदि मौजूद रहे ।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विस्फोटक हुआ कोरोना :

आंकड़ा पहुंचा 30 हजार के पार - 708 नए मामलों की पुष्टि, 11 की मौत

जम्मू ।

जम्मू कश्मीर में कोरोना वैश्विक महामारी अब अपना रंग दिखाने लगी है। आज कोरोना विस्फोटक स्थिति में रहा। बीते 24 घंटों के जम्मू कश्मीर में 708 नए कोरोना के मामलों की पुष्टि हुई जबकि 11 की कोरोना संक्रमण से मौत भी हुई। नए मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 30,034 हो गई है। आज कोरोना से 11 लोगों की मृत्यु हुई। अब कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 572 तक पहुंच गया है। आज तक जम्मू कश्मीर में 8,22,574 सैंपल की रिपोर्ट उपलब्ध हुई है जिनमें से 7,92,540 मामले नैगेटिव पाए गए हैं। वहीं 4,21,057 लोगों को निगरानी में रखा गया है जबकि होम क्वारंटाइन में 42,323 लोगों को रखा गया है और 6965 मरीज अस्पताल आइसोलेशन में उपचाराधीन हैं। घरों में 44,417 लोगों को निगरानी में रखा गया है जबकि 3,26,780 लोगों ने 28 दिन की निगरानी अवधि पूरी कर ली है। कश्मीर संभाग से 606 और जम्मू संभाग से 102 नए कोरोना मामलों की पुष्टि हुई। कुल 708 मामलों में से 43 बाहरी राज्यों से आने वाले यात्री व 665 स्थानीय व अन्य लोग शामिल हैं। अब तक जम्मू संभाग से 41 और कश्मीर संभाग से 531 कोरोना रोगियों की मृत्यु हुई है। श्रीनगर में अब तक कोरोना से 182, बारामूल्ला में 89, पुलवामा में 40, बडगाम में 45, अनंतनाग में 43, कुलगाम में 31, शोपियां में 26, कुपवाड़ा में 39, बांदीपुरा में 22, गांदरबल में 14 मौतें कश्मीर संभाग से हुई हैं जबकि जम्मू संभाग में जम्मू में 29, राजौरी में 3, कठुआ में 1, ऊधमपुर में 2, रामबन में 1, साम्बा में 1, डोडा में 2 और पुंछ में 2 कोरोना रोगी की मौत हुई है। जम्मू कश्मीर में अब तक 22,497कोरोना रोगी स्वस्थ हुए हैं जिनमें जम्मू संभाग से 5116 और कश्मीर संभाग से 17,381 रोगी ठीक हुए हैं। आज 611 कोरोना रोगी स्वस्थ हुए, इनमें कश्मीर संभाग से 436 और जम्मू संभाग से 175 लोग ठीक हुए हैं।

जम्मू कश्मीर में अब तक 30,034 कोरोना के पाजिटिव मामले हो गए हैं, इनमें से 6648 जम्मू संभाग और 23,386 मामले कश्मीर संभाग से संबंधित हैं। जम्मू कश्मीर में कुल 6965 मामले एक्टिव हैं, इनमें से जम्मू संभाग में 1491 और कश्मीर में 5474 मामले एक्टिव हैं। आज श्रीनगर में में सबसे अधिक 229 मामलों की पुष्टि हुई जबकि बारामूल्ला में 35, पुलवामा में 24, बडगाम में 88, अनंतनाग में 48, कुलगाम में 19, शोपियां में 10, कुपवाड़ा में 43, बांदीपुरा में 48, गांदरबल में 62, जम्मू में 41, राजौरी में 4, कठुआ में 4, ऊधमपुर में 2, रामनब में 2, साम्बा में 10, डोडा में 3, पुंछ में 1, रियासी में 34 और किश्तवाड़ में 1 कोरोना पाजिटिव मामला सामने आया है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन को बड़ा झटका, जीतन राम मांझी ने छोड़ा साथ

पटना। बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जीतन राम मांझी महागठबंधन से अलग हो गए हैं। उनकी पार्टी ने गठबंधन से अपना नाता तोड़ लिया है। मांझी की पार्टी की कोर कमेटी ने ये फैसला लिया है। जानकारी के अनुसार, हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने अपनी पार्टी के कोर ग्रुप की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में उन्होंने महागठबंधन से अलग होने का फैसला ले लिया है। माना जा रहा है कि अब जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री नीतीश की पार्टी जदयू में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि मांझी की पार्टी जदयू के साथ आएगी या नहीं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार और मांझी के बीच बातचीत हो चुकी है।

प्रेमी जोड़े की याद में खेला जाने वाला एक खेल...जिसमें मनोरंजन ले लेता है लोगों की जान

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक दूसरे पर पत्थर फेंक कर एक रस्म निभाई जाती है जिसे गोटमार मेले कहा जाता है। यह मेला मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि विश्वभर में खूनी गोटमार के नाम से अपनी पहचान बना चुका है। लेकिन पांढुर्ना में हर वर्ष खेला जाने वाला ये खूनी खेल वैश्विक महामारी कोरोना के मद्देनजर इस वर्ष यह मेला सांकेतिक रुप में ही खेला गया। विश्व प्रसिद्ध गोटमार मेले की परंपरा निभाने के पीछे किवंदतियां और कहानिया जुड़ी है। किवंदती के अनुसार पांढुर्ना के युवक और सावरगांव की युवती के बीच प्रेम संबंध था एक दिन प्रेमी युवक ने सांवरगांव पहुंचकर युवती को भगाकर पांढुर्ना लाना चाहा। लेकिन जैसे ही दोनों जाम नदी के बीच पहुंचे तो सांवरगांव के लोगो को खबर लगी गई। उन्होंने प्रेमीयुगल को रोकने क्ते लिए पत्थर बरसाए जिससे प्रेमीयुगल की मौत हो गई इस किवंदती को गोटमार मेला आयोजन से जोड़ा जाता है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुलिस का भारी बल तैनात किया गया। इसके साथ जिले को अतिरिक्त बल भी मिला। पांढुर्ना की चारों और सीमाओं सील कर दी गई थी। असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाएगी लोगों को प्रेरित करने के लिए समिति के बीच से वॉलेंटियर्स लगाए गए। लेकिन इस मेले के दौरान जनता कर्फ्यू विफल रहा रोक के बावजूद भी गोटमार मेला खेला गया। इस दौरान जमकर पत्थर चले, पुलिस के वाहन पर पथरावभी हुआ और पुलिसकर्मी भागते हुए नजर आए। बता दें कि विगत दिनों से कलेक्टर और एसपी ने शान्ति समिति की बैठक लेकर निर्णय लिया था सिर्फ दोनों पक्षों के 5 - 5 लोग मां चंडिका के मंदिर मैं जाकर झंडा चढ़ाएंगे और सीमित संख्या में मंदिर में पूजा आरती के साथ 10 बजे इसका समापन होगा।

उपचुनाव के प्रचार में जुटे कांग्रेस नेता हुए कोरोना पॉजिटिव

जबलपुर। जबलपुर के उत्तर मध्य विधानसभा से कांग्रेस विधायक विनय सक्सेना कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने वीडियो जारी करके इस बात की जानकारी दी और कहा कि मेरे संपर्क में जो लोग आए हैं, वह अपना टेस्ट जरूर करा लें और मेरे लिए भगवान से प्रार्थना करें। इसके पहले पूर्व विधानसभा के विधायक एवं पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया भी कोरोना पॉजिटिव हुए थे। विनय सक्सेना को उपचुनाव की जिम्मेदारी मिली थी। वह लगातार दौरे भी कर रहे थे। यही वजह है कि कोरोना पॉजिटिव आने के बाद कार्यकर्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है । आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में कोरोना का कहर लगतार बढ़ रहा है आमजन से लेकर खास तक सभी पर इसका खतरा मंडरा रहा है। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज समेत बीजेपी और कांग्रेस के कई नेता इसकी चपेट में आ चुके हैं।

5 पंजाबी युवक कनाडा के ब्रैंपटन में हथियारों सहित गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क। कनाडा के ब्रैंपटन में रीजनल पुलिस ने 5 पंजाबी युवकों को हथियारों सहित गिफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उनको एक संबंधित नागरिक ने कॉल करके बताया कि ब्रामालिया आरडी और सैंडलवुड पक्की के क्षेत्र में एक प्लाजा की पार्किंग में उसने एक वाहन में हथियारों सहित कुछ लोगों को देखा है। । पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार वहां 2 वाहनों में 8 लोग पहुंचे और सभी के पास लोडिड बंदूकें व अन्य हथियार थे। पुलिस के पहुंचने पर 3 लोग फरार हो गए जबकि 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया जिनमें जॉर्जटाउन के सिमरजीत सिंह (23), अरुणदीप सूद (40), मनप्रीत सिंह(21), शिवमप्रीत सिंह, महकदीप मान (22) के नाम शामिल हैं। पुलिस ने पांचों आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

लड़के को प्यार करना पड़ा महंगा, लड़की के परिजनों ने पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

इंदौर। मिनी मुंबई कहे जाने वाले शहर में एक लड़के को लड़की से प्यार करना इतना महंगा पड़ा कि उसे अपनी जान से हाथ धोने पड़े। जी हां हम बात कर रहे है इंदौर के गांधी नगर थाना क्षेत्र में प्रेम संबंध के चलते लड़की के परिजनों ने युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्याकांड के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरु कर दी है। लड़की के परिजनों द्वारा युवक से मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। घटना इंदौर दिलीप नगर की है। जहां मलखान की लड़की को मृतक अजय दो दिन पहले भगा कर ले गया था और फिर एक दिन पहले वह शाम को लौट भी आई थी। मलखान को यह शक था कि उसकी लड़की अजय (23) के साथ गई थी। इसी विवाद में उसने अपनी पत्नी सुंदर बाई व लाखन व अन्य परिजनों के साथमिलकर उसे डंडे लाठियों से पीट-पीटकर घायल कर दिया था। मिलकर अजय को उसके घर से बुलाकर उसे डंडे लाठियों से पीट-पीटकर घायल कर दिया था। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना 4 दिन पुरानी है ,अजय को परिजनों ने उपचार के लिए घायल अवस्था में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गांधीनगर पुलिस ने पूरे मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर तीनों लोगो को मलखान, उसकी पत्नी सुंदर बाई व लाखन को गिरफ्तार कर लिया है।

इसरो के स्पेस मिशन में निजी कंपनियों की एंट्री से आएगी और मजबूती: डॉ शिवन

नेशनल डेस्क।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के. शिवन ने आज कहा कि निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र के द्वार खोलने से इसरो प्रौद्योगिकी विकास और क्षमता विस्तार पर ज्यादा ध्यान दे सकेगा। डॉ. शिवन ने एक वेबीनार में कहा कि इस समय इसरो अनुसंधान एवं विकास के साथ प्रक्षेपण यानों और उपग्रहों के निर्माण का काम भी करता है। सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने की घोषणा की है। निजी कंपनियों की गतिविधियों की निगरानी और उन्हें इसकी अनुमति प्रदान करने के लिए 'इंडियन स्पेस प्रोमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (आईएन-स्पेस) का गठन किया जायेगा। शिवन ने कहा कि इसरो उत्पादन की बजाय अनुसंधान एवं विकास, क्षमता विस्तार और प्रौद्योगिकी विस्तार पर अधिक फोकस कर सकेगा। ...आत्मनिर्भर भारत की तरह कदम बढ़ाते हुये हम स्व निर्भरता पर फोकस कर रहे हैं जिसके लिए निजी कंपनियों की भागीदारी महत्वपूण होगी। इसरो प्रमुख ने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी कंपनियों के पास काफी अवसर हैं। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ी संख्या में संचार उपग्रहों की जरूरत होगी। 'अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की क्षमता को उन्मुक्त करना विषय पर आयोजित वेबीनार में इसरो ने बताया कि 'अंतरिक्ष गतिविधि विधेयक जल्द ही संसद में रखा जायेगा जिसके माध्यम से आईएन-स्पेस का गठन होगा और निजी क्षेत्र को इस क्षेत्र में प्रवेश मिलेगा। एक प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि इस विधेयक का मसौदा तैयार कर अंतर-मंत्रालय विचार-विमर्श के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। भारत बाहरी अंतरिक्ष गतिविधियों संबंधी अंतरराष्ट्रीय समझौते का सदस्य है ।

पाकिस्तानी नेता ने कश्मीर मुद्दे पर इमरान खान को लगाई फटकार

पेशावर। दक्षिणपंथी पाकिस्तानी राजनेता और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) के अध्यक्ष मौलाना फजल-उर-रहमान ने कश्मीर मुद्दे पर फ्लाप नीतियों को लेकर एक बार फिर इमरान खान सरकार पर निशाना साधा है। पेशावर में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से इमरान सरकार कश्मीर पर भारत का मुकाबला करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द कर दिया और क्षेत्र को अपने अभिन्न अंग के रूप में घोषित किया और पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहा कि हम कल क्या सोच रहे थे और आज क्या सोच रहे हैं? कल, हम सोच रहे थे कि श्रीनगर कैसे ले जाएं, आज हम सोच रहे हैं कि कैसे मुजफ्फराबाद को बचाएं? मौलाना ने इमरान सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए इस लड़ाई जारी रखने की कसम खाई और कहा कि वे इस तानाशाही शासन को समाप्त करने के लिए दृढ़ हैं। इस तानाशाही शासन को समाप्त करने के लिए दृढ़ हैं। इस तानाशाही शासन को समाप्त करने के लिए दृढ़ हैं। बता दें कि मौलाना फजल-उर-रहमान पाक में प्रधानमंत्री इमरान खान फ्लाप नीतियों को लेकर इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि मौलाना के समर्थकों द्वारा बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान सरकार के खिलाफ मोर्चे खोले हुए हैं।

हमने बारिशों में भी जलते हुए मकान देखे हैं...संजय राउत के इस ट्वीट के क्या हैं मायने?

नेशनल डेस्क। सुशांत सिंह राजपूत मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत आए दिन बयानबाजी कर रहे हैं। उच्चतम न्यायालय के फैसले पर चुप्पी साधने के एक दिन बाद उन्होंने शायराना अंदाज में एक ट्वीट किया, जो काफी वायरल हो रहा है। राउत ने वीरवार को ट्वीट कर लिखा कि किस्मत पे इतना नाज ना करे.. हमने बारिशों में भी जलते हुए मकान देखे हैं...। जय महाराष्ट्र! हालांकि उन्होंने इसमें किसी का नाम नहीं लिखा लेकिन उनका इशारा सुशांत केस की सीबीआई जांच की ओर है। इससे एक दिन पहले राउत ने कहा था कि मुंबई पुलिस ने पूरी सच्चाई के साथ जांच की है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। इससे एक दिन पहले राउत ने कहा था कि मुंबई पुलिस ने पूरी सच्चाई के साथ जांच की है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाते हुए केस की जांच का अधिकार सीबीआई को दिया। लंबे समय से सुशांत का परिवार और उनके फैंस सीबीआई जांच की मांग कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में दर्ज एफआईआर को सही ठहराया है, साथ ही मुंबई पुलिस को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है।

मुंबई पुलिस की छवि खराब करने के लिए सुशांत मामले का राजनीतिकरण किया गया: शिवसेना

मुंबई।

शिवसेना ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सरकार की छवि खराब करने के लिए अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले का राजनीतिकरण किया गया। शिवसेना ने प्रश्न किया कि यदि पटना में दर्ज प्राथमिकी सही थी, तो क्या यदि इस मामले के वे अन्य लोग जो दूसरे राज्यों से हैं, पश्चिम बंगाल में प्राथमिकी दर्ज कराएं, तो क्या कोलकाता पुलिस को जांच का अधिकार मिल जाएगा? महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल शिवसेना ने कहा कि इस मामले में मुंबई पुलिस की जांच अंतिम चरण में थी। तब उसे रोका गया और बिहार सरकार की सिफारिश पर सीबीआई को सौंपा गया। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि यह चकित करने वाला है कि अदालत को मुंबई पुलिस की जांच में कुछ भी गलत नहीं मिला इसके बाद भी मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया। संपादकीय में कहा गया, बिहार में अपराध के कई मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक सीबीआई ने कितने वास्तविक दोषियों को पकड़ा है? मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सरकार की छवि खराब करने के लिए अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले का राजनीतिकरण किया गया। सुशांत सिंह राजपूत (34) 14 जून को मुंबई के बांद्रा में अपने अपार्टमेन्ट की छत से लटके मिले थे। इसके बाद इसकी जांच कर रही मुंबई पुलिस ने राजपूत की बहनों, अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती सहित 56 लोगों के बयान दर्ज किए। उच्चतम न्यायाल ने बुधवार को अपने फैसले में पटना में दर्ज प्राथमिकी को जांच के लिए सीबीआई को सौंपे जाने को विधिसम्मत करार दिया था। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि बिहार सरकार इस मामले को जांच के लिये सीबीआई को हस्तांतरित करने में सक्षम है। संपादकीय में कहा गया कि मुंबई पुलिस जांच कर रही थी कि राजपूत ने आत्महत्या क्यों की।

आरजेडी को छोड़ नीतीश के हुए लालू यादव के समधी चंद्रिका राय, अन्य 2 विधायकों ने भी छोड़ी पार्टी

पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद को बड़ा झटका लगा है। लालू यादव के समधी चंद्रिका राय राजद को छोड़कर जदयू में शामिल हो गए हैं। उनके साथ राजद के अन्य 2 विधायक फराज फातमी और जयवर्धन यादव ने भी जदयू का दामन थाम लिया है। पिछले दिनों चंद्रिका राय ने नीतीश कुमार से मुलाकात भी की थी। साथ ही चंद्रिका राय ने दावा करते हुए कहा था कि राजद में कई ऐसे विधायक हैं जो तेजस्वी यादव के नेतृत्व से नाखुश हैं और पार्टी छोड़ने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं। वहीं चंद्रिका राय ने नीतीश कुमार के साफ-सुथरी छवि की तारीफ करते हुए विश्वास जताया था कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी। बता दें कि 2018 में तेजप्रताप की शादी चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या से हुई थी लेकिन 6 महीने के बाद ही तेजप्रताप ने ऐश्वर्या से तलाक लेने के लिए कोर्ट में अर्जी डाल दी थी। लालू की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने ऐश्वर्या को अपने घर से भी निकाल दिया था। ऐश्वर्या ने आरोप लगाते हुए कहा था कि राबड़ी देवी उनके साथ मारपीट करती हैं।

समोसे की दुकान के लिए छोड़ी गूगल की नौकरी, सालाना कमाई 50 लाख से ज्यादा

नेशनल डेस्क।

किसी का भी सपना होता है एक अच्छी कंपनी में अच्छे पैकेज के साथ जॉब मिल जाए। कंपनी अगर गूगल और सैलरी भी अच्छी-खासी हो तो यह सोने पर सुहागा जैसी बात होगी और इतनी अच्छी जॉब को छोड़ना बेवकूफी माना जाएगा लेकिन मुनाफ कपाड़िया ने ऐसा ही किया। मुनाफ कपाड़िया ने समोसे-कचोरी बेचने के लिए गूगल की नौकरी छोड़ दी। हालांकि गूगल की नौकरी छोड़कर मुनाफ फायदे में ही रहे और उन्हें समोसे की बिक्री पर अच्छी कमाई हुई। मुनाफ की सालान कमाई 50 लाख रुपए के करीब है। मुनाफ गूगल में अकाउंट स्ट्रैटजिस्ट के पद पर थे। नौकरी के दौरान मुनाफ मसूरी, हैदराबाद और फिर मुंबई आए। नौकरी के साथ ही मुनाफ ने टीबीके नाम की कंपनी से डिलीवरी किचन की शुरुआत की और ऑनलाइन ऑर्डर लेने लगे। इस किचन में मुनाफ ने अपनी मां नफीसा के हाथ से बने व्यंजन बेचने शुरू किए। बोहरा समुदाय से होने के कारण मुनाफ ने मेन्यू में बोहरा थाली भी रखी। लोगों को इसका स्वाद काफी पसंद आया। एक समय ऐसा भी आया जब मुनाफ को बिजनेस बढ़ाने के लिए ज्यादा ऑर्डर की जरूरत थी लेकिन उतने मिल नहीं रहे थे। ऐसे में में मुनाफ ने किचन बंद करने की सोची। इसी बीच फोर्ब्स इंडिया की तरफ से उनको फोन आया कि वे 30-अंडर-30 अंक के लिए उन्हें कवर करना चाहते हैं। इस फोन ने मुनाफ के अंदर एक बार फिर से उत्साह भर दिया और उन्हें अंदाजा हो गया कि फोर्ब्स भी उनकी किचन के स्वाद का कायल है।

आनलाइन क्लास के लिए 27 फीसदी छात्रों के पास स्मार्टफोन, लैपटॉप नहीं: अध्ययन

नई दिल्ली।

आनलाइन माध्यम से कक्षा करने के लिये कम से कम 27 प्रतिशत छात्रों की स्मार्टफोन या लैपटॉप तक पहुंच नहीं है जबकि 28 प्रतिशत छात्र और अभिभावक बिजली में व्यवधान या कमी को पठन पाठन में एक प्रमुख रूकावट मानते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। एनसीईआरटी के सर्वेक्षण में केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों, अभिभावको, शिक्षकों और प्राचार्यो सहित 34,000 लोगों ने हिस्सा लिया था । इनका कहना था कि प्रभावी शैक्षणिक उद्देश्य के लिये उपकरणों के उपयोग की जानकारी की कमी तथा शिक्षकों में आनलाइन शिक्षा के तरीकों की पूरी जानकारी नहीं होने के कारण भी पठन पाठन में बाधा आती है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 27 प्रतिशत छात्रों ने स्मार्टफोन या लैपटॉप उपलब्ध नहीं होने की बात कही। कोविड-19 के दौरान पठन पाठन के माध्यम के रूप में अधिकतर पक्षकार मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि करीब 36 प्रतिशत छात्र पाठ्यपुस्तक एवं उनके पास उपलब्ध किताबों का उपयोग कर रहे हैं । शिक्षकों एवं प्राचार्यो के बीच लैपटॉप दूसरा सबसे अधिक पसंदीदा विकल्प है। महामारी की स्थिति में पठन पाठन के लिये टेलीविजन और रेडियो सबसे कम उपयोग में आने वाला उपकरण है। पक्षकारों ने छात्रों और शिक्षकों के बीच बेहतर संवाद की कमी को एक कारण के रूप में पाया है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि लगभग सभी संबद्ध राज्य शिक्षण प्राप्त करने वालों की प्रगति पर नजर रखने के लिये भौतिक या गैर डिजिटल माध्यम का उपयोग करते हैं और इनमें से अधिकतर में शिक्षक घर जाते हैं या फोन काल का उपयोग करते हैं । इसमें कहा गया है कि करीब आधे छात्रों ने कहा कि उनके पास स्कूली पाठ्यपुस्तकें नहीं है। हालांकि एनसीईआरटी की वेबसाइट और दीक्षा पोर्टल पर ई पुस्तके उपलब्ध हैं । छात्रों में ई पाठ्यपुस्तक को लेकर जागरूकता की कमी दिखी है। इसका एक कारण यह सामने आया है कि छात्र पाठ्यपुस्तक की हार्डकापी का उपयोग पढ़ाई के लिये करते हैं । इस पठन पाठन माध्यम के अधिकतर पक्षकारों का कहना है कि आनलाइन माध्यम से गणित विषय की पढ़ाई कठिन है क्योंकि इसमें कई तरह के सिद्धांत होते हैं। इनमें बच्चों के साथ शिक्षकों का संवाद, सतत सहयोग और निगरानी की जरूरत होती है। आनलाइन माध्यम में इसकी कमी होती है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि गणित एवं विज्ञान में कई सिद्धांत के साथ प्रयोग भी होते हैं । ऐसे कई प्रयोग केवल प्रयोगशालाओं में शिक्षकों की निगरानी में ही संभव होते हैं। कुछ पक्षकारों ने सामाजिक विज्ञान विषय की आनलाइन माध्यम से पढ़ाई को कठिन बताया है। एनसीईआरटी के सर्वेक्षण में कहा गया है कि करीब 17 प्रतिशत छात्रों ने भाषा की पढ़ाई को आनलाइन माध्यम से कठिन बताया। करीब 10 प्रतिशत पक्षकारों ने कला शिक्षा को इस माध्यम से चिंता का विषय बताया ।

राजस्थान में शुरू हुई इंदिरा रसोई योजना, अब सिर्फ 8 रूपए में मिलेगा भरपेट खाना

जयपुर। राजस्थान सरकार ने आठ रुपये में भोजन की थाली उपलब्ध कराने की अपनी महत्वाकांक्षी इंदिरा रसोई योजना की बृहस्पतिवार से शुरुआत की। योजना पर सालाना 100 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए इस योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इन्दिरा रसोई योजना प्रदेश की एक ऐसी अनूठी योजना है जिसमें शहरी गरीब परिवारों को पौष्टिक भोजन रियायती दर पर मिलेगा। गहलोत ने कहा कि योजना का मुख्य ध्येय यह है कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए व योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे तथा उसे सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध हो सके। गहलोत ने कहा कि इस योजना की शुरुआत शहरी इलाकों से की जा रही है लेकिन अगर जरूरत हुई और स्वयंसेवी संस्थाएं आगे आईं तो राज्य के कस्बों व गांवों में भी इस योजना का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने इस साल मार्च में बजट में यह घोषणा की थी कि राज्य में कोई भी भूखा न सोए इसके लिए एक योजना बनायी जायेगी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 76वीं जयंती के अवसर पर राज्य सरकार की बहुआयामी महत्वाकांक्षी इन्दिरा रसोई योजना शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन्दिरा रसोई योजना में एक लाभार्थी को 8 रुपये में शुद्ध व ताजा भोजन करवाया जाएगा। एक थाली पर कुल व्यय 20 रुपए आएगा जिसमें राज्य सरकार 12 रुपए देगी। राज्य के 213 नगर निकाय क्षेत्रों में 358 इन्दिरा रसोई संचालित होंगी। योजना के तहत प्रतिदिन 1.34 लाख व्यक्ति तथा प्रति वर्ष 4.87 करोड़ लोगों को लाभान्वित किए जाने का लक्ष्य है। योजना पर प्रतिवर्ष लगभग 100 करोड़ रूपये व्यय होने का अनुमान है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लेबर व शटरिंग मालिक से हुए विवाद में लेबरो ने शटरिंग मालिक की लाठी–डंडों से की पिटाई।

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्टः प्रकाश शुक्ला

पाटन उन्नाव स्लेप डालने के दौरान लेबर व शटरिंग मालिक से हुए विवाद में लेबरो ने शटरिंग मालिक की लाठी–डंडों व लात घुसो व लोहे की राड से जमकर पिटाई कर दी ।

जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया घटना की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया।

बिहार थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी उमाशंकर लोध के बिहार बजौरा मार्ग पर स्थित चक्की कारखाने में बुधवार को स्लेप पड़ रही थी बताया गया ।

कि जिस समय स्लेप पड़ रही थी मिक्सर मशीन में मौरंग न पहुंचने के कारण मशीन मालिक शटरिंग मालिक ने लेबरों से जल्दी मौरंग लाने की बात कही

जो बात लेबरों को नागवार गुजरी तथा दोनों के बीच कहासुनी होने लगी इसी बीच लेबरों ने गांव से कुछ लोगों को बुलाकर ।

शटरिंग मालिक प्रीतम सिंह यादव पुत्र हरी प्रताप निवासी चिकंदरपुर को लात घुसा हुआ ।

लाठी–डंडों व लोहे की राड से पीटने लगे कारखाना मालिक उमाशंकर बीज बचाव करने के पूर्व हमलावरों ने प्रीतम को मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया

अपने साथ हुई मारपीट की घटना की शिकायत पीड़ित ने थाना बिहार में एक व्यक्ति को नामजद व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर की ।

बिहार थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर पीड़ित को डॉक्टरी परीक्षण कराया।

राजीव गांधी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 6 सितंबर को

कानपुर –महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षहरप्रकाश अग्निहोत्रीने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी जी की 76वीं जयन्ती पर''राजीव गांधी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता''का आयोजन 6 सितम्बर को पूरे प्रदेश मे करने का निश्चय किया गया है, जिसका विषय''भारत की सशक्तीकरण की यात्रा''होगा जिसमें 16 वर्ष से 22 वर्ष के बच्चे भाग ले सकेंगे तथा यह भी कहा कि कोरोना महामारी के चलते इस बार पंजीकरण व प्रतियोगिता ऑनलाइन आयोजित होगी। जिसकी वेबसाइटी

https://yuvajosh.in/ है।

उपरोक्त जानकारी देते हुये शहर अध्यक्ष ने कहा उपरोक्त प्रतियोगिता मे भाग लेने वालो मे विजयी परीक्षार्थियो को प्रथम पुरस्कार लैपटाप, द्वितीय पुरस्कार मोबाइल व तृतीय पुरस्कार टेबलेट देकर पुरस्कृत किया जायेगा।

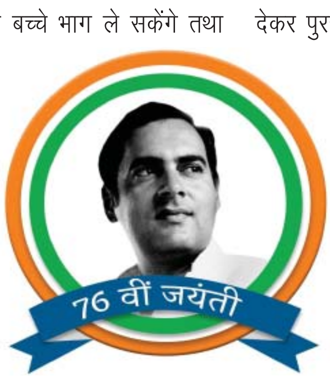

कानपुर नगर के अंतर्गत आने वाले समस्त 16 से 22 वर्ष के युवा ऑनलाइन पंजीकरण करा. कर प्रतियोगिता मे भाग ले सकते

पत्नी ससुराल से नगदी व जेवर लेकर फुर्र

कानपुर। मामला बिठूर थाना क्षेत्र का है जहां पत्नी ससुराल से नगदी व जेवर लेकर मायके चली जाती है आपको बता दें कि योगेश शुक्ला निवासी बिठूर की शादी 2018 में संदल बाबा नाम के व्यक्ति ने कराई थी यह एक आपराधिक प्रवत्ति का बताया जा रहा है जिसका मकसद योगेश शुक्ला की संपत्ति अपने कब्जे में करना था योगेश शुक्ला ने बताया उसकी पत्नी का गैर मर्दो से भी सम्पर्क रहता था 1जून 2020 की शाम 7 बजे जिसे किसी अजनबी मर्द के साथ अपने ही घर में आपत्ति जनक स्थित में देखा जिसके बाद योगेश शुक्ला ने पत्नी पर कड़ा रुख दिखाया जिसके बाद पत्नी ने पुलिस को फोन कर उल्टा योगेश शुक्ला पर मारपीट का आरोप लगाकर पकड़वा दिया जिसके बाद पुलिस योगेश शुक्ला को बिठूर थाने ले आती है और 3 दिन तक थाने में बैठा रखती है और 25 हजार रूपये लेकर थाने से छोड़ा जाता है जब तक पति घर आता है तब तक पत्नी नगदी और जेवर लेकर मायके भाग जाती है जब इसकी शिकायत पीड़ित योगेश शुक्ला ने पुलिस से की तो पुलिस ने थाने से टरका दिया जिसके बाद पीड़ित ने एसपी पश्चिम से भी न्याय की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि पुलिस पीड़ित के साथ न्याय करती है या नही।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्म दिन मनाया गया

गदागंज रायबरेली–दीन शाह गौरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का 76वाँ जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर गोष्ठी में उनके योगदान को याद करते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया

बृहस्पतिवार को दीन शाह गौरा में कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष त्रिवेदी ने कहा राजीव गांधी सूचना क्रांति और संचार क्रांति के अग्रदूत थे। उनमें देश की सेवा का जज्बा था इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा एक दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया गया इस मौके पर युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह उपाध्यक्ष भिखारी लाल मिश्रा उपाध्यक्ष नवनीत महामंत्री अरुणेश सिंह सचिव जसवंत सिंह शैलेंद्र त्यागी मोहम्मद अकबर न्याय पंचायत अध्यक्ष रमेश यादव मोबीन अंसारी वीरेंद्र यादव दल बहादुर सिंह राजू सिंह सुशील त्रिवेदी अनुरुध दीक्षित कालीशंकर आदि लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने धूमधाम से मनाया पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्मदिन

संजय मौर्य,उत्तरप्रदेश ब्यूरो

कानपुरमहानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज मोतीझील स्थित राजीव वाटिका मे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्म दिवस

कार्यक्रम आयोजित कर उन्हे याद किया गया।राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि के बाद बड़ी संख्या मे उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुये। अध्यक्षहरप्रकाश अग्निहोत्रीने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि देश को कम्प्यूटर युग मे ले जाने वाले राजीव गांधी को देश संचार क्रान्ति के अग्रदूत, पंचायत राज अधिनियम के प्रणेता और 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के युवाओं को मताधिकार देने के लिए हमेशा याद करेंगा।पंचायतो मे महिलाओ सहित पिछडे और वंचित तबके के लोगो के लिये सीटे आरक्षित कर उन्होने न केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनो को साकार किया बल्कि अधिनियम बना कर इन वर्गो को संवैधानिक और राजनीतिक अधिकार भी दिया।वह राजीव गांधी ही थे जिन्होने तमाम विरोधो के बावजूद हर किसी की शासन सत्ता मे भागीदारी सुनिश्चित की।

सीधे 21 वीं सदीं मे भारत का प्रवेश और उसे विश्व की महाशक्ति का दर्जा सिर्फ और सिर्फ राजीव गांधी की बदौलत संभव हुआ है तथा कहा कि राजीव गांधी युगो–युगो तक याद किये जायेगे। वह भारत के सच्चे सपूत थे और उन्होने देश को आधुनिक तकनीक से चाक चैबंद कर उसे विकास और विश्व के शीर्ष पर पहुंचाया।

पुलिस अधीक्षक रायबरेली के निर्देशन में वाहन वांछित संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे, अभियान

महराजगंज/रायबरेलीः पुलिस अधीक्षक रायबरेली के दिशा निर्देशन में वाहन वांछित संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 19 अगस्त 2020 को महराजगंज कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर 32 पुड़िया स्मैक के साथ महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

आपको बता दें कि, पुलिस अधीक्षक रायबरेली के निर्देशन में वाहन वांछित संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे, अभियान के तहत महराजगंज कोतवाली पुलिस को मुखबिर खास ने सूचना दी, कि क्षेत्र के जमुरावा गांव में विद्यालय के पास एक महिला द्वारा खुलेआम स्मैक बेची जा रही है।

मुखबिर खास की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जमुरावा स्कूल के पास से महिला को 32 पुड़िया स्मैक के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर जेल

भेज दिया है। महिला ने पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान अपना नाम जागेश्वरी देवी पत्नी संतलाल निवासी जमुरावा थाना महराजगंज जिला रायबरेली बताया है।

मामले में कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि, मुखबिर खास की सूचना मिली थी, कि जमुरावां विद्यालय के पास एक महिला द्वारा नाजायज स्मैक बेची जा रही है। मौके पर पहुची कोतवाली पुलिस द्वारा महिला को 32 पुडिया स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और थाना स्थानीय पर अभियुक्त के विरुद्ध 8/21 एनडीपीएस एक्ट अभियोग पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

वहीं गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण उप निरीक्षक रमेश चंद्र तिवारी, उपनिरीक्षक रामबदन, आरक्षी उपेंद्र कुमार, आरक्षी बल. वंत यादव, महिला आरक्षी प्रिया चौहान, स्वाति चौहान, उर्वशी शामिल रही।

डीएम ने अधिकारी/कर्मचारियों को दिलाई सद्भावना दिवस प्रतिज्ञा

रायबरेली संवाददाता

कोविड–19 कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत रखते हुए कलेक्ट्रेट के बचत भवन सभागार में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी के जन्म दिवस को सद्भावना दिवस के रूप में मनाते हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को सद्भावना दिवस की प्रतिज्ञा दिलाते हुए कहा कि जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किये बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करेंगे तथा हिंसा का सहारा लिये बिना सभी प्रकार के मतभेद, बातचीत और संवेधानिक माध्यम से सुलझाउगां।

इसी दौरान जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने अधिकारी व कर्मचारियों का परिचय भी लिया।

इसके अलावा विकास

डीएम ने बचत भवन सभागार में सद्भावना दिवस की प्रतिज्ञा दिलवाते हुए

भवन प्रोबेशन कार्यालय, सूचना कार्यालय, समाज कल्याण आदि कार्यालयों में भी सद्भावना दिवस की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रेम प्रकाश उपाध्याय, नगर मजिस्टेऋट युगराज सिंह, एडी सूचना प्रमोद कुमार, मुख्य कोषाधिकारी जितेन्द्र सिंह, प्रशासनिक अधिकारी मंजू दीक्षित, अतिरिक्त मजिस्टेऋट प्र0शि0 अंशिका दीक्षित, ओझा आदि जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे ।

व विभिन्न कार्यालय के राजेश श्रीवास्तव, रामकरन, सूफिया खातून, पूजा शुक्ला, सुषमा कश्यप, बिन्दादीन, सुरेश, मानवेन्द्र श्रीवास्तव, इफ्तिखार अहमद खां आदि लोग ने संद्भावना दिवस की प्रतिज्ञा ली।

डीएम वैभव श्रीवास्तव अधिकारी अपनी देख–रेख में यूरिया का वितरण करे सुनिश्चितः डीएम

रायबरेली संवाददाता

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने समस्त एसडीएम व समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी को निर्देश दिये है कि रबी अभियान के लिए भंडारित यूरिया को विशेष पारिस्थितियों में 50 प्रतिशत खरीफ में ही प्रयोग करने हेतु शासन द्वारा अनुमति दी गई है। पीसीएफ पर भंडारित यूरिया में से 1000 मेट्रिक टन तत्काल समितियो को भेजे जाने की अनुमति देते हुए कहा कि यह प्रतिबन्ध लगाते हुए प्रत्येक किसान को यथासंभव 2 बोरी यूरिया ही दी जाए जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लेखपाल एवं पुलिस बल के सहयोग से अपनी देख–रेख में यूरिया का वितरण सुनिश्चित कराए।

अपर जिला सहकारी अधिकारी नियमित भ्रमण कर यूरिया का वितरण कराए यदि कही कोई अनियमितता पाई जाती है तो तहसील के अपर जिला सहकारी अधिकारी एडीसीओ की जिम्मेदारी निर्धारित की जाएगी। यूरिया भदोखर, डिघीया, दुसुती, लालूपुर, लोढ़वामऊ, कोनसा, देदूर, शोरा, खिरीजपुर, चंदापुर, टूक, अत्रेहता, घुरौना मॉगर्वी, कोटवा मोहम्दाबाद, सहगोदमनपुर, थुलेंडी, बेंती रीवा, शिवगढ़, सरा. इसहजन, रामसान्डा, मतरौली, ऊंचाहार, धोबहा, रोहनियां, उमरन, सलीमपुर, मवई, धरई, व्योली, खैरहनी, पारी, डीह, खतौधन, बारा नं0 1, नसीराबाद, जायस, जोहवा, घुरवारा, राधाबलामपुर, डलमऊ, साई, सुठा पश्चिम, गौरा हरदोई, धधुता, जलालपुर

घई, चम्प.ातपुर, जोगापुर, पाहो, भीतरगांव, अजीतपुरा, मल. केगावं समितियो को 18 मेट्रिक प्रत्येक समिति को यूरिया भेजे जाने के आदेश दिए गए है। ए0आर0 ने जानकारी देते हुए बताया कि खरीफ अभियान में यूरिया वितरण का लक्ष्य 19000 मेट्रिक टन है जिसके विरुद्ध 17000 मेट्रिक टन अब तक यूरिया बट चुकी है तथा गत वर्ष से तीन गुना यूरिया का वितरण हो चुका है।

सभी समिति सचिवो को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक वितरण को पी0ओ0एस0 मशीन में तुरंत दर्ज करें और प्रथक से यूरिया नगद वितरण का रजिस्टर बनाये जिसमे किसान की किसान वही का न0, आधार कार्ड नम्बर, पता, एवं हस्ताक्षर लिए जाए।

बाढ़ की झूठी खबर से तहसील प्रशासन मे मचा हड़कम्प

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्टःप्रकाश शुक्ला

गंगा नदी में बाढ़ का पानी बढ़ने से लोगों के खेतों की फसल तबाह और मची तबाही की सूचना पर तहसील प्रशासन में हड़कंप की स्थिति बन गई।सूचना पर तहसीलदार ने मौका निरीक्षण किया और बताया अभी बाढ़ जैसे हालात तहसील क्षेत्र में कहीं नहीं है और ना ही किसी किसान की फसल नुकसान हुई है। जहां बाढ़ का पानी बताया जा रहा है वह दो वर्ष पूर्व कटी सड़क और पुलिया के कटान की जगह में वर्षा का पानी जमा हुआ है।

बताते चलें कि आज कुछ समाचार पत्रों में खबर आई कि गंगा में बाढ़ का पानी बढ़ने से बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के दबौली और हिंदूपुर गावों की सैकड़ों बीघा जमीन में खड़ी फसल पानी में डूब कर नष्ट हो गई है ।

इस सूचना पर बांगरमऊ तहसील प्रशासन ने हड़कंप मच गया और तहसीलदार लालधर यादव ने तुरंत दबौली क्षेत्र पहुंचकर निरीक्षण किया और बाढ़ की स्थित से इनकार किया है। ग्रामीणों की मांग पर पिछले वर्ष सांसद ने डीएम को पत्र लिखकर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने को कहा था और जिला अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडे ने चालीस लाख रुपए भी स्वीकृत दी थी लेकिन आज तक वह कटान वाली सड़क नहीं बन पाई।

लोग आसपास के खेतो से आवागमन करते थे। लेकिन बरसात का पानी भरने से कटी पुलिया में चारों ओर पानी भर गया है जिससे लोगों का आवागमन पूरी तरीके से ठप है। और लोगों को इधर–उधर चक्कर काटकर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों को इधर–उधर जाने के लिए नाव का सहारा लेना पढ़ रहा है। इसी जलभराव को लोगों ने आज बाढ़ की खबर बनाकर अखबारों में प्रकाशित किया तो तहसील प्रशासन को मौके की जांच करना पड़ा।

तहसीलदार लालधर यादव ने बताया कि गंगा में पानी भरने से नुकसान की सूचना पर स्थलीय निरीक्षण किया गंगा का बढ़ा पानी अभी अपनी सीमा में ही है ।

उन्होंने बताया कि किसी भी किसान की फसल का नुकसान नहीं हुआ है।बताया कि जिस जल भराव को बाढ़ का पानी बताया जा रहा है वह वर्षा का पानी है वह सड़क और पुलिया के कटान वाले स्थान पर बरसात का पानी भर गया है।

सार–समाचार

अवैध खनन के दौरान ढही बजरी, 12 लोग दबे राहत बचाव कार्य जारी, 3 लाशें निकाली गईं

बारां(एजेसी)। अटरू कस्बे के पास पार्वती नदी के किनारे हो रहे अवैध बजरी खनन के दौरान खदान के अचानक ढह जाने से करीब 12 लोग दब गए। बचाव कार्य जारी है, अबतक तीन लाशें निकाली जा चुकी हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। जानकारी के मुताबिक खनन के दौरान ऊपर मौजूद मिट्टी और बजरी का बड़ा हिस्सा इन मजदूरों पर गिर पड़ा। हादसे के वक्त इस जगह 1 दर्जन मजदूर काम कर रहे थे। हादसे की खबर मिलते ही आस–पास लोग, पुलिस और प्रशासन की

मामला काकादेव थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर काली मठिया के निकट गुरद्वारे के पास का।

कानपुर नगर के काकादेव थाना अंतर्गत बीती रात काकादेव पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सुशील बच्चा को पकड़ने गई पुलिस ने देर रात घर मे दी दबिश । आपको बता दें कि सुशील बच्चा एक चरस स्मैक तस्कर है जिसके लिए काकादेव पुलिस काफी दिनों से उसकी तलाश कर रही थी

चरस स्मैक तस्कर था सुशील बच्चा

अभी भी शास्त्री नगर घर पर प्रसासन का लगा है जमावड़ा।

लेकिन मीडिया को देखते प्रसासन ने हिस्ट्रीशीटर सुशील बच्चा के घर के गेट को अंदर से किया बंन्द ।

बंन्द दरवाजे के अंदर चल रही मीटिंग में पुलिस पर उठ रहे है सवालिया निशान

अभी तक पुलिस ने नही बताया की हिस्ट्रीशीटर सुशील बच्चा कहॉ है

मामला काकादेव थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर काली मठिया के निकट गुरद्वारे के पास का।

प्रशांत भूषण के समर्थन में कानपुर

कानपुर ऑल इण्डिया लॉयर्स यूनियन कानपुर की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के समर्थन में कानपुर बार के सामने प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन में नगर के अधिवक्ता गण उपस्थित रहे ।

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पास दुर्गा लाल पार्टी के पास बाइक में लगी आग

कानपुर–कल्यानपुर में चलती बाइक बनी आग का गोला कल्यानपुर में अचानक चलती बाइक में लगी आग बाइक सवार युवक ने कूदकर बचाई अपनी जान, राहगीरों ने बाइक पर पानी डालकर बजाई आग, घटना कल्यानपुर के ब्रह्मदेव चौराहे की है

सार्वजनिक शौचालय निर्माण में अडंगा प्रधान ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

रोहनिया रायबरेली

हमीदपुर बड़ागांव ग्राम पंचायत में बन रहे सार्वजनिक सुलभ के निर्माण में की गयी अड़ंगे बाजी की शिकायत मुख्यमंत्री से की है

मुख्यमंत्री को भेजे गये शिकायती पत्र में प्रधान ने गांव के ही दो लोगों पर सार्वजनिक शौचालय निर्माण में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम प्रधान विजय कुमार ने मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में बताया है कि ग्राम पंचायत की भूमि गाटा संख्या 178 पर सुलभ शौचालय का निर्माण सार्वजनिक रूप से कराया जा रहा है लेकिन गांव के ही रज्जन व देवीप्रसाद द्वारा उस पर जबरन अड़ंगा लगाया जा रहा है और सरकारी ईटों से प्रतिपक्षियों द्वारा शौचालय स्थल की भूमि पर निर्माण भी किया जा रहा है।

ग्राम प्रधान ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की गुहार लगाई है।

रायबरेली संवाददाता

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न से सम्मानित श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर भारतीय युवा कांग्रेस जिला कोऑर्डिनेटर विश्वनाथ त्रिवेदी के द्वारा ष्पेड़ लगाओ जीवन बचाओष अभियान की शुरुआत पूर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम पंचायत कुसुमी से की गई।इस अवसर पर उपस्थित, कुसुमी ग्राम सभा अध्यक्ष इंद्रसेन,अजीत गौतम,बब्बू पटेल,राकेश पासवान,शिवबहादुर गौतम,मनीष गौतम रामनरेश पासवान आदि।